ISSN 2349-6614

जनवरी 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों में भाजपा की बड़ी जीत

हिंदुत्व की जीत के नायक

रेवंत रेड्डी
तेलंगाना

डॉ. मोहन यादव
मध्यप्रदेश

भजनलाल शर्मा
राजस्थान

विष्णु देव साय
छत्तीसगढ़

तेलंगाना ने दिया 'हाथ' का साथ

नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं

टाया एस्टेट्स

अमृत वाटिका - राज वाटिका - श्याम वाटिका

टाया एस्टेट्स, सहेलियों की बाड़ी, उदयपुर

हरियाली से आच्छादित उदयपुर की

सबसे सुंदर प्राकृतिक वाटिकाएं

बुकिंग हेतु सम्पर्क करें :

133, सुखसागर पैलेस, अशोक नगर, मेन रोड, उदयपुर, मो. : 9001997000, 9001998888

जनवरी 2024 वर्ष 21 अंक 09

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

मकर संक्रांति एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अंदर के पृष्ठों पर...

दान पर्व

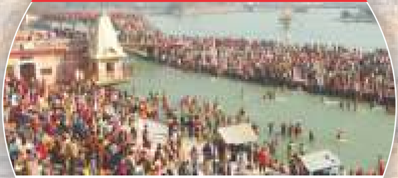

मकर संक्रान्ति : परम्पराएं और महत्व
पेज 10

दक्षिण विजय

'हाथ' ने रोकी हैट्रिक
पेज 14

आस्था
मौला की देहरी पूरी होती मुराद
पेज 24

ध्रुवीकरण
मेवाड़ में सिमटी कांग्रेस
पेज 22

राजस्थान का रण

राज बदला-रिवाज कायम
पेज 26

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

Rakesh Kumawat, CMD
94141 62686
Shubham Kumawat
+91 9001161614 (M)
ER. Rajat Kumawat
+91 7568347991 (M)
+ 91 7230051822 (O)
Wholesaler
Retailer
Bathroom Tiles
Elevation Tiles
Kitchen Tiles
Poster Tiles
Sanitary ware
Imported Ceramic Tiles
Table Tops
SS Kitchen Sink
Bathroom Mirror
Bathroom Basins
PVC Pipe & Fitting
Decorated Wall and Floor Tiles
SHUBHAM TILES
CERA
Alient
MULTISTONE TILES
ACURA BATH FITTINGS
UltraTech CEMENT
LV GRANITO
SHUBHAM TILES
18, 120 Feet Main Road, H.M. Sector-5, Udaipur- 313001, Rajasthan
10, R.M.V. Compound Road, Surajpole, Udaipur - 313001, Rajasthan
Email: shubhamtilesudaipur@gmail.com

संसद की सुरक्षा में सेंध

संसद सत्र के चलते 13 दिसम्बर को कड़ी सुरक्षा में सेंध लगना कोई मामूली चूक नहीं, गंभीर मामला है। नए भवन में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो युवक सदन के भीतर कूद गए और 'केन' के जरिए पीले रंग का धुंआ फैला दिया। घटना के फौरन बाद आसपास बैठे सांसदों ने दोनों को दबोच लिया। यह वह दिन था जब देश 22 वर्ष पूर्व (13 दिसम्बर 2001) संसद पर आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा था। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादियों ने संसद भवन पर हमला किया था। जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। इस घटना के बाद तो संसद की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक चौकस रहनी चाहिए थी, लेकिन इसमें गफलत बरती गई। यह चूक कोई बड़ी त्रासदी भी पेश कर सकती थी। यह तो गनीमत थी कि दर्शक दीर्घा से कूदे युवकों के पास कोई घातक सामग्री नहीं थी। वे ऐसा कर भी सकते थे। युवकों की इस हरकत से किसी को कोई क्षति भले ही न पहुंची हो, लेकिन यह कल्पना करना कठिन नहीं कि वे स्मोक बम या क्रैकर सरीखी वस्तु की तरह से विषाक्त गैस फैलाने वाली कोई सामग्री भी ले जा सकते थे। इस मामले में पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार ने इस मामले में जांच समिति गठित कर दी है, जिसकी रिपोर्ट जनवरी के मध्य तक मिल जाएगी। आठ कर्मचारी घटना वाले दिन ही निलम्बित कर दिए गए थे। जांच करने वाली टीम का नेतृत्व सीआरपीएफ के महानिदेशक अनिश दयाल सिंह को सौंपा गया है। संसद में लोकसभा सदस्यों के बैठने की जगह पर पहुंचे आरोपियों ने एक तरह से 'सीमित हमले' को अंजाम दिया। नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान कहा गया था कि वह पूरी तरह से आधुनिक और डिजिटल तकनीकों से लैस और आतंरिक व्यवस्था काफी सुदृढ़ है। इसका अपना एक मज़बूत सुरक्षा तंत्र भी है। फिर इसमें सेंध कैसे लगी? भीतर जाने वाले हर बाहरी व्यक्ति को सांसद की सिफारिश से पास बनावाना पड़ता है और उससे संबंधित सारी जानकारी सहित सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जाती है। कई स्तरों वाली इस सघन सुरक्षा व्यवस्था को भेद कर सदन की कार्यवाही के बीच पहुंच जाना बेहद गंभीर मामला है और इसकी जिम्मेदारी तय किया जाना बहुत जरूरी है। इस मामले में ललित झा, नीलम, अमोल शिंदे, सागर शर्मा व मनोरंजन डी को गिरफ्तार किया है। यह सभी देश के अलग-अलग भागों के हैं। संसद की सुरक्षा में सेंध का मास्टर माइंड इनमें ललित झा बताया जा रहा है। जिसने सोच समझकर योजना बनाई थी। सेंधमारी के लिए दो योजनाएं बनीं, पहली नाकाम होने पर दूसरी को अंजाम दिया जाना था। संसद भवन में प्रवेश के लिए मनोरंजन डी और सागर शर्मा के नाम से पास बने थे। इन्हें अन्दर जाना था। अगर किसी कारण ये दोनों संसद के करीब नहीं पहुंच पाते तो प्लान बी में उनकी जगह महेश और कैलाश दूसरी तरफ से संसद भवन के करीब जाते और मीडिया के समक्ष कलर स्मोक जलाते हुए नारेबाजी करते। यहां यह उल्लेख करना ज़रूरी है कि संसद भवन का सुरक्षा घेरा चार स्तरीय होता है। इसके बावजूद युवक जूतों में छिपाकर 'केन' ले जाने में कैसे सफल हो गया? इन युवकों का कहना है कि ऐसा करने का उनका मकसद सिर्फ युवाओं की समस्याओं की ओर ध्यान खीचना था, लेकिन इस तरह के गंभीर कदम उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का ध्यान खीचना किसी भी तरह जायज नहीं हो सकता। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। देशवासियों तक इस प्रकार का संदेश नहीं पहुंचना चाहिए कि जब सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था ही सुरक्षित नहीं है, तो देश की सुरक्षा का क्या होगा? इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए, दलगत स्वार्थ बाद में हैं, राष्ट्र की अस्मिता और सुरक्षा पहले है। हालांकि इसकी जांच भी की जानी चाहिए कि सदन में कूदने वाले युवकों ने मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिन्हा से लोकसभा की दर्शक दीर्घा के लिए पास किस बिना पर हासिल किए। कोई भी सांसद-विधायक बिना किसी को ठीक से जाने-पहचाने कैसे किसी को दर्शक दीर्घा तक जाने के लिए अनुशंसा कर सकता है? अथवा यह काम अपने किसी सहायक के जिम्मे कर सकता है? एक आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वे देश की ज्वलंत समस्याओं किसान आन्दोलन, मणिपुर संकट और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को संदेश देना चाहते थे। यह बहुत ही बचकाना बयान है। सरकार को संदेश देने के लिए इस तरह का कदम उठाना राष्ट्रद्रोह से कम नहीं हो सकता। अपनी बात कहने के लोकतांत्रिक विकल्प मौजूद हैं। इस तरह की अपराधिक वृत्ति को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाना सही

गौरव शर्मा

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 11 दिसम्बर को सर्वसम्मति से पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को खत्म करने और राज्य को दो हिस्सों (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) में विभाजित करने के केन्द्र सरकार के फैसले को सही ठहराया है। पीठ ने केन्द्र को जम्मू कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और चुनाव आयोग को वहां 30 सितम्बर 2024 तक चुनाव कराने का निर्देश भी दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और संसद के जरिये उसे हटाने का जो निर्णय लिया गया, वह विधिसम्मत था। वास्तव में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से इस अनुच्छेद की बहाली का रास्ता भी करीब-करीब बंद कर दिया। यदि इस अस्थायी अनुच्छेद को समय रहते निष्प्रभावी कर दिया गया होता तो संभवत: जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद एवं आतंकवाद ने सिर नहीं उठाया होता और वहां इतनी तबाही नहीं हुई होती। यह अनुच्छेद केवल अलगाववाद का जरिया ही नहीं था, बल्कि जम्मू कश्मीर के वंचित वर्गों के अधिकारों का निर्ममता से दमन करने वाला भी था। इस अनुच्छेद के कारण पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से जान बचाकर आए लोगों के साथ तो अन्याय हो ही रहा था, आरिक्षत वर्गों के उन अधिकारों का हनन भी हो रहा था, जो संसद की ओर से बनाए गए कानूनों के चलते उन्हें मिलना चाहिए था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति को पूर्ववर्ती राज्य की संविधान सभा की गैर मौजूदगी में भी इसे रद्द करने का अधिकार था। हालांकि यह फैसला जम्मू कश्मीर की सियासत में सक्रिय राजनीतिक दलों और कुछ अन्य विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। मगर कर्णसिंह ने इस फैसले का स्वागत किया और सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस फैसले का स्वागत करें। कर्णसिंह राजा हरिसिंह के बेटे हैं, जिनके शासन में जम्मू कश्मीर का भारत गणराज्य में विलय हुआ और उसे अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से इस बात पर मुहर लग गई है कि केन्द्र सरकार ने कोई असंवैधनिक फैसला नहीं किया। इस तरह जो राजनीतिक दल इस फैसले पर नाखुशी जाहिर कर रहे हैं, उन्हें भी देर-सवेर इसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जम्मू कश्मीर को भारत के दूसरे राज्यों से अलग दर्जा नहीं दिया जा सकता। हालांकि

अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का फैसला बहुत पहले हो जाना चाहिए था, मगर इसे एक सियासी मुद्दा बना दिया गया, जिसके चलते इसकी उलझनें बढ़ती गई। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस अनुच्छेद के चलते ही अलगाववादी ताकतों को अपनी गोटियां बिछाने और पाकिस्तान के साथ नजदीकी बनाए रखने में मदद मिली थी। फिर जब भाजपा ने इस अनुच्छेद को समाप्त करने की मांग को अपने राजनीतिक एजेंडे में शामिल कर लिया तो दूसरे राजनीतिक दलों ने उसके विरोध में इसे कायम रखने की राजनीति शुरू कर दी थी। अगस्त 2019 में संसद का यह ऐतिहासिक फैसला न्यायिक समीक्षा की कसौटी पर खरा उतरने और इस पर शीर्ष अदालत की मुहर 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के लिए बूस्टर डोज की तरह है। मिशन 400 की राह पर निकली भाजपा आम चुनाव में इस मुद्दे को अपने पक्ष में भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

क्या है अनुच्छेद 370

अनुच्छेद 370 ने जम्मू कश्मीर को एक अलग संविधान, अलग ध्वज और आंतरिक प्रशासनिक स्वायत्तता रखने का अधिकार दिया, जबकि यह राज्य वर्ष 1952 से 31 अक्टूबर 2019 तक एक राज्य के रूप में भारत द्वारा शासित था।

कब हटाया

भारत सरकार ने 5 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति का एक आदेश जारी किया, जिसने पहले के आदेश को बदल दिया और जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान के सभी अनुच्छेदों के अधीन कर दिया। भारतीय संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पास हुआ।

केन्द्र सरकार के फैसले के खिलाफ 22 याचिकाएं थीं

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 22 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। मामले की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन हुआ था।

फैसला मौत की सजा : महबूबा

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने अनुच्छेद 370 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोर्ट के फैसले को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। वहीं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुला ने कहा कि वे कोर्ट के फैसले से निराश हैं, लेकिन निरूत्साहित नहीं हैं। दूसरी ओर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्णय मौत की सजा से कहीं से कम नहीं हैं।

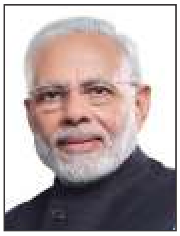

एक भारत-श्रेष्ठ भारत

अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे। ये अनुच्छेद एक अटूट दीवार की तरह थे तथा गरीब, वंचित, दलितों पिछड़ों–महिलाओं के लिए पीड़ादायक थे। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) के कारण जम्मू कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उसके साथ देशवासियों को मिला। इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गई। यह ऐतिहासिक फैसला एक भारत–श्रेष्ठ भारत का प्रमाण है। ***नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री*

नितिन मेनारिया, डायरेक्टर, 94137–52497

शंकरलाल मेनारिया, संस्थापक/संचालक
प्रिंसीपल

बाल विनय मंदिर, उच्च माध्यमिक विद्यालय
(आवासीय)

J-11, हरिदासजी की मगरी, उदयपुर 313 001

Ph.: 0294-2430388, Mobile: 94141 64388 E-mail: balvinaymandirschool@gmail.com

प्रत्यूष

अति आत्मविश्वास से टूटा कांग्रेस का सपना

मोहन के सिर शिव का ताज

■ राजेन्द्र शुक्ल व जगदीश देवड़ा बने उपमुख्यमंत्री ■ नरेन्द्रसिंह तोमर ने संभाला विधानसभा का आसन

रमेश जोशी

पहली बार भाजपा को 48.5 प्रतिशत वोट, 71 प्रतिशत सीटें भी जीत ली

मध्यप्रदेश — बहुमत 116, सीटें 230

भाजपा	कांग्रेस	अन्य
163 (+54)	66 (-48)	1 (-6)
2018 में 109 सीटें	2018 में 114 सीटें	2018 में 7 सीटें
वोट शेयर 41.2 प्रतिशत	वोट शेयर 40.4 प्रतिशत	वोट शेयर 11.1 प्रतिशत
2018 में 41.02 प्रतिशत	2018 में 40.89 प्रतिशत	2018 में 18.09 प्रतिशत

मध्यप्रदेश में मोहन यादव ने नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। 10 दिसम्बर को भाजपा विधायक दल की बैठक में उज्जैन दक्षिण से तीसरी बार विधायक बने 58 वर्षीय यादव के नाम पर मुहर लगी। रींवा विधायक राजेन्द्र शुक्ल और मल्हारगढ़ विधायक जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्रसिंह तोमर विधानसभा अध्यक्ष होंगे। इन्होंने सांसद रहते चुनाव लड़ा था। शिवराज सिंह ने यादव के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसको सर्वानुमति मिली।

यह सत्ता के केन्द्र की शिफ्टिंग भी है, जिस पर कयास तो थे पर सटीक कुछ भी नहीं। प्रदेश की राजनीति सालों से मध्य क्षेत्र, ग्वालियर-चंबल और विंध्य के इर्द-गिर्द ही झूलती रही। इसकी एक बार फिर शिफ्टिंग मुख्यमंत्री और एक उप मुख्यमंत्री बनाकर मालवा किए जाने की कोशिश शुरू की गई है। महाकाल लोक और आदि शंकराचार्य की नगरी का पुनरोद्धार इसी से निकला था। यह आध्यात्मिक नव जागरण अब सियासत से होकर सत्ता तक पहुंचाने की तैयारी है। मोहन यादव का चयन अनायास नहीं है। हिंदुत्व को जिस तरह से मालवा में धार दी जा रही है, वह भी बड़े संकेत की ओर इशारा है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणाम खासकर कांग्रेस के लिए अप्रत्याशित रहे। कांग्रेस यह मानकर चल रही थी कि जनादेश उसे ही मिलेगा। भाजपा पूरी रणनीति के साथ काम कर रही थी, परिस्थितियां देखकर भाजपा रणनीति में बदलाव करती रही। कांग्रेस से जब-जब रणनीति बदलने की बात कही गई तब यही जवाब मिला, हम जीत रहे हैं, जनता हमारे साथ है। सूबे का हर वर्ग सरकार से नाराज है। कांग्रेस ये बातें तो करती रही लेकिन इसके लिए कोई ठोस रणनीति तैयार नहीं की गई, जबकि दूसरी ओर भाजपा ने समय, काल और परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बदली।

पीएम नरेन्द्र मोदी, अमित शाह सहित अन्य केन्द्रीय मंत्री, पार्टी के दिग्गज नेताओं की ताबड़तोड़ जनसभाएं हुईं, रोड शो हुए,

लेकिन कांग्रेस सिर्फ पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और कमलनाथ के भरोसे रही। हालांकि कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में कई दिग्गज नेता शामिल रहे, लेकिन वे चुनाव प्रचार करने यहां नहीं आए। आखिरकार परिणाम सामने है, कांग्रेस को इस चुनाव में तगड़ा झटका लगा। कांग्रेस ने अब भी गलतियों से सबक नहीं लिया तो पार्टी को इसका खामियाजा आगे भी भुगतना होगा।

लाड़ली बहना का आशीर्वाद

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के आशीर्वाद और चुनाव के शानदार माइक्रो मैनेजमेंट के चलते भाजपा ने अपनी सत्ता कायम रखी। 16 साल सीएम रहे शिवराजसिंह चौहान के खिलाफ एंटी इंकनबैंसी के भरोसे बैठी कांग्रेस की गारिंटियां पीएम मोदी की विश्वसनीय गारंटियों के आगे हवा हो गई। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के महाकौशल अंचल को छोड़कर सभी अंचलों में भाजपा ने कांग्रेस को चित्त कर दिया।

संघ से सीएम हाउस तक

- उज्जैन में 25 मार्च 1965 को जन्मे मोहन यादव ने विक्रम विवि से बीएससी, एलएलबी, राजनीति विज्ञान में एमए, एमबीए और पीएचडी की उपाधि हासिल की है।
- यादव उज्जैन में 1982 में माधव साइंस कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव में सह सचिव चुने गए। 1984 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े।
- 1993–95 में आरएसएस, उज्जैन नगर के सह–खण्ड कार्यवाह, सह भागनगर कार्यवाह एवं 1996 में खण्ड कार्यवाह और नगर कार्यवाह बने। वर्ष 2013 में ही पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष भी रहे हैं।
- यादव जुलाई 2020 से अब तक राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री रहे।
- पहलवानी का शौक– कॉलेज के समय से पहलवानी करते आए हैं।
- परिवार में पत्नी सीमा यादव के अतिरिक्त दो पुत्र और एक पुत्री है।

सीएम शिवराज जीते, पर 31 में से 12 मंत्री हारे

मप्र के सीएम शिवराज एक लाख वोट से जीते। 31 में से 12 मंत्री हारे। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा हारे। केन्द्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते हारे। 6 सांसदों में 2 हारे।

मकर संक्रान्ति : परम्पराएं और महत्व

रेणु शर्मा

संक्रांति का अर्थ है, सूर्य का एक राशि से दूसरी में प्रवेश। एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति के बीच का समय ही सौर मास कहलाता है। पूरे वर्ष में कुल बारह संक्रान्तियां होती हैं। प्रति वर्ष 14 जनवरी को मनाएं जाने वाले मकर संक्रांति के इस पर्व को पंजाब में लोहड़ी, गढ़वाल में खिचड़ी, गुजरात में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्रप्रदेश में इसे केवल संक्रान्ति कहते हैं।

बारह में से चार संक्रांति मेष, कर्क, तुला और मकर संक्रांति महत्वपूर्ण हैं। पौष मास में सूर्य का धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश मकर संक्रांति के रूप में जाना जाता है। सामान्यत : सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण छः-छः माह के अन्तराल पर होता है।

संक्रान्ति की परम्पराएं

मकर संक्रान्ति के दिन गंगा स्नान, सूर्योपासना व तीर्थ स्थलों पर स्नान दान विशेष पुण्यकारी होता है। ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुन: प्राप्त होता है। मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगा स्नान एवं गंगा तट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गई है। मकर संक्रांति के दिन तिल का बहुत महत्व है। सूर्य छ: माह पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध के निकट होता है और शेष छ: माह दक्षिणी गोलार्ध के निकट होता है। मकर संक्रान्ति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्ध के निकट होता है। अर्थात् उत्तरी गोलार्ध से अपेक्षाकृत दूर होता है जिससे उत्तरी गोलार्ध में रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं तथा सर्दी का मौसम होता है। किन्तु मकर संक्रान्ति से सूर्य उत्तरी गोलार्ध की ओर आना शुरू हो जाता है। इस दिन से उत्तरी गोलार्ध में रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सर्दी की ठिठुरन कम होने लगती है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चेतनता एवं हृदय शक्ति में वृद्धि होती है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक होता है और अन्धकार अज्ञान का। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, इसलिए तमसो मा ज्योतिर्गमय का उद्घोष करने वाली भारतीय संस्कृति में मकर संक्रान्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष के लोग इस दिन सूर्यदेव की आराधना एवं पूजन कर उसके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। ध्यान देने योग्य है कि विश्व की 90 प्रतिशत आबादी पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में ही निवास करती है अतं: मकर संक्रान्ति पर्व न केवल भारत के लिए बल्कि लगभग पूरी मानव जाति के लिए उल्लास का दिन है। सम्पूर्ण विश्व के सभी उत्सवों में संभवत: मकर संक्रान्ति ही एकमात्र उत्सव है, जो किसी विशेष स्थानीय परम्परा, मान्यता, विश्वास या किसी विशेष स्थानीय घटना से सम्बंधित नहीं है, बल्कि एक खगोलीय घटना, वैश्विक भूगोल और विश्व कल्याण की भावना पर आधारित है और सम्पूर्ण मानवता को आनंद देने वाला है। कहते हैं कि प्राचीन भारत में भू मध्य रेखा से ऊपर यानी उत्तरी गोलार्द्ध को भूलोक और भू मध्य रेखा से नीचे यानी दक्षिणी गोलार्द्ध को पाताल लोक माना जाता था। अत: मकर संक्रान्ति एक ऐसी खगोलीय घटना है जो सम्पूर्ण भूलोक में नव स्फूर्ति और आनंद का संचार करती है।

पौराणिक मान्यताएं

इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उनके घर जाते हैं। चूंकि शनि देव मकर राशि के स्वामी हैं, अत: इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम के जाना जाता है। दक्षिणायन को नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। भगवद् गीता के अध्याय 8 में भगवान कृष्ण कहते हैं कि उत्तरायण के छह माह में देह त्याग करने वाले ब्रह्म गति को प्राप्त होते हैं जबकि और दक्षिणायन के छह माह में देह त्याग करने वाले संसार में वापिस आकर जन्म मृत्यु को प्राप्त होते हैं। यही कारण था कि भीष्म पितामह महाभारत युद्ध समाप्ति के बाद मकर संक्रान्ति की प्रतीक्षा में अपने प्राणों को रोके अपार वेदना सह कर शर–शैया पर पड़े रहे थे। कहा जाता है कि मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगा जी भगीरथ के पीछे–पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थी और भगीरथ के पूर्वज महाराज सगर के पुत्रों को मुक्ति प्रदान की थी, इसलिए आज के दिन बंगाल में गंगासागर तीर्थ में कपिल मुनि के आश्रम पर एक विशाल मेला लगता है।

दान पर्व

इस पर्व पर सुहागन महिलाएं अपनी सास को वायना देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं, साथ ही महिलाएं किसी भी सौभाग्य सूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान देती हैं। संक्रान्ति के दिन स्नान के बाद दान देने की परम्परा है, इस दिन खिचड़ी खाने एवं खिचड़ी दान देने का अत्यधिक महत्व होता है। गरीबों को खाने–पीने की वस्तुऐं, कम्बल और तिल के दान का काफी महत्व है।

Happy New Year

RAMADA®

Udaipur Resort & Spa

Rampura Circle, Kodiyat Road, Udaipur - 313 001
Tel.: 91-294-3053800 / Fax 91-294-3053900
accounts@ramadaudaipur.com, www.ramadaudaipur.com

गोलियों ने खामोश की अहिंसा की आवाज़

वह अभागी मेरी गोद

दिल्ली में घटी 30 जनवरी 1948 की उस भयानक शाम को दुनिया कभी भूल नहीं सकती। विश्व को सत्य और अहिंसा का रास्ता दिखाने वाले महात्मा गांधी को गोलियों ने हमेशा के लिए हम से छीन लिया। बिरला हाउस में चली तीन गोलियों की धमक से समूची दुनिया दहल गई। देश की आजादी के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर करने वाले राष्ट्रपिता के निधन की गवाह बनी दिल्ली की उस खौफनाक सर्द शाम के मंजर को याद करते धरमजीत जिज्ञासु

दिन शुक्रवार, दिनांक 30 जनवरी 1948, स्थान दिल्ली का बिरला हाउस और समय शाम के 5 बजे। एक बार दर्शन कर लेने के बाद मैं जीवन भर के लिए बापू का अनुयाई बन गया था।

बंटवारे के दंश से राष्ट्र और राष्ट्रपिता नाजुक हालात से गुजर रहे थे। कौमी दंगे रोकने के आह्वान के साथ बापू बिरला हाउस में 13 जनवरी से उपवास पर थे। सभी समुदायों द्वारा शांति बनाए रखने के आश्वासन के बाद बापू ने 18 जनवरी को उपवाास तोड़ दिया, लेकिन पांच दिन के उपवास के कारण वह बीमार और कमजोर हो गए थे। अनगिनत गांधीवादियों की तरह मैं भी बापू के दर्शन के लिए अपने गृह नगर मथुरा से दिल्ली पहुंचा था। सर्दी से ठिठुरती दिल्ली में 30 जनवरी की वह भयानक शाम का मंजर रूह को कंपा देने वाला था। मेरी उम्र तब 33 साल थी। मैं तो नई आजादी के जोश से लबरेज नौजवान पीढ़ी का सदस्य होने के नाते बापू के सपनों का भारत बनाने का रास्ता उन्हीं से जानने के लिए दिल्ली आया था। मुझे क्या पता था कि मैं देश दुनिया को हिला देने वाले दर्दनाक हादसे का चश्मदीद बनने जा रहा हूं।

बिरला हाउस में बीते आखिरी दिन

महात्मा गांधी द्वारा जीवन के अंतिम 144 दिन दिल्ली स्थित बिरला हाउस में बिताए जाने के कारण यह इमारत इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है। देश के अग्रणी व्यवसायी बिरला घराने की इस इमारत में बापू अपने दिल्ली प्रवास के दौरान अकसर रूका करते थे। राष्ट्रपिता की शहादत के साथ अमर हो चुकी इस इमारत को भारत सरकार ने 1971 में अपने संरक्षण में लेकर गांधी संग्रहालय के रूप में विकसित किया। सरकार ने 15 अगस्त 1973 को बिरला हाउस को गांधी स्मृति के नाम से संग्रहालय के रूप में आम जनता के लिए खोल दिया। बापू के विचारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का काम कर रहा बिरला हाउस जिस मार्ग पर स्थित है, उसका नाम भी 30 जनवरी मार्ग है।

> दोस्तों! हमारे जीवन से रोशनी चली गई है, हर तरफ अंधकार व्याप्त हो गया है। मैं नहीं जानता कि आपसे क्या कहूं या कैसे कहूं? हमारे प्रिय नेता बापू, इस देश के राष्ट्रपिता नहीं रहे। शायद मैं गलत हूं, लेकिन अब हम उन्हें दुबारा नहीं देख पाएंगे जैसा कि हम पिछले कई सालों से देखते आए थे। हम अब उनके पास किसी तरह की सलाह लेने या सांत्वना पाने के लिए भी नहीं जा सकेंगे और यह मेरे लिए ही नहीं बल्कि लाखों–करोड़ों देशवासियों के लिए भी बहुत बड़ी क्षति है।
>
> जवाहर लाल नेहरू,
> गांधीजी के निधन के बाद देश के नाम संदेश

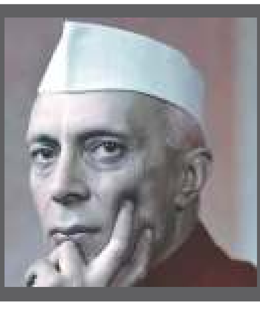

रोज की तरह उस दिन भी शाम 6 बजे की प्रार्थना सभा का सबको इंतजार था। जिस व्यक्ति ने बापू की हत्या की वह मेरे बाईं ओर ठीक बगल में ही खड़ा था। उसका नाम नाथूराम गोडसे था। कुछ पल के इंतजार के बाद बापू अपने कमरे से प्रार्थना स्थल की ओर आते दिखे। वह हमसे चंद कदमों के फासले पर थे। अपनी सहयोगियों के सहारे वह पैदल आ रहे थे। उपवास की वजह से कमजोरी महसूस कर रहे बापू ने उस दिन प्रार्थना स्थल तक आने के लिए तयशुदा रास्ते के बजाय छोटा रास्ता चुना और लॉन से होते हुए प्रार्थना स्थल की सीढ़ियों तक पहुंचे। बापू ने सबको नमस्ते कहा और इसके प्रति उत्तर में गोडसे सहित सभी ने नमस्ते कहा । बापू पहली सीढ़ी चढ़ने ही वाले थे कि गोडसे उनके पैर छूने के लिए झुका और पलक झपकते ही उन पर गोलियां दाग दी। बापू के चलने फिरने का सहारा बनी उनकी पोतियां मनु और आभा के कंधे बापू को संभाल न सके। गुस्साई भीड़ ने गोडसे पर हमला कर दिया। मैंने गोडसे को पीटने वाली भीड़ में शामिल होने के बजाय जमीन पर गिरे बापू को उठाया। बिरला हाउस में चीख पुकार मच गई। दूसरी ओर मैंने देखा तो सरदार पटेल दौड़े आ रहे थे। जब तक वह करीब आते बापू ने 'हे राम' कहते हुए अपने नेत्र हमेशा के लिए बंद कर लिए।

यूं बीते अंतिम दिन

- **9 सितंबर 1947 :** महात्मा गांधी कोलकाता से वेस्ट पंजाब होते हुए सीधे दिल्ली बिरला हाउस पहुंचे।
- **10 से 13 सितंबर 1947 :** जामिया मिल्लिया स्थित कैंप और विभिन्न स्थलों पर विस्थापित होकर आये लोगो से मिले
- **14 सितंबर 1947 :** लॉर्ड माउंट बेटन से मुलाकात की
- **18 सितंबर 1947 :** मुस्लिम नेताओं से बातचीत की
- **19 सितंबर 1947 :** हिंदू नेताओं से बातचीत की इसके बाद कई दिन तक अलग–अलग संगठनों से बातचीत का दौर चलता रहा।
- **2 अक्टूबर 1947 :** गांधी ने जन्मदिवस पर कहा – 'मुझे बधाई देने की बजाय देश के हालात पर शोक व्यक्त करें। लंबे समय तक जीना नहीं चाहता'।
- **12 नवंबर 1947 :** विस्थापित होकर आए लोगों के नाम संदेश प्रसारित किया
- **27 नवंबर 1947 :** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान, लॉर्ड माउंटबेटन और कश्मीर के शेख अब्दुल्ला से बातचीत की
- **11 दिसंबर 1947 :** तालीमी संघ में हिस्सा लिया।
- **12 जनवरी 1948 :** सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए अनिश्चित काल के लिए अनशन पर जाने की घोषणा
- **13 जनवरी 1948 :** उपवास शुरू, लॉर्ड माउंटबेटन की पार्टी में जाने से इंकार किया
- **16 जनवरी 1948 :** उपवास जारी, कहा – 'यदि भारत–पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित नहीं होती है तो वह जीना नहीं चाहेंगे'
- **18 जनवरी 1948 :** सभी समुदायों की ओर से आश्वासन मिलने के बाद मौलाना आजाद के हाथों से संतरे का जूस पीकर अनशन तोड़ा
- **20 जनवरी 1948 :** प्रार्थना के दौरान बम विस्फोट
- **21 जनवरी 1948 :** बम फेंकने वालों को क्षमा देने की अपील
- **27 जनवरी 1948 :** गांधी जी ने सुझाव रखा, कांग्रेस को सियासत की बजाय लोगों की सेवा करनी चाहिए
- **28 जनवरी 1948 :** कांग्रेस का संविधान ड्राफ्ट किया
- **30 जनवरी 1948 :** बिरला हाउस (अब गांधी स्मृति) में संध्या कालीन प्रार्थना सभा के दौरान गांधी जी को गोली मारी गई।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

HOTEL VENKTESH

A Place of Royal Hospitality

For Booking Contact :
098873 88428, 088758 58584

2/5, Dholi Magri, Shivaji Nagar, Nr. Railway Station, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294-2481083, E-mail : hotelvenkteshudr@gmail.com

'हाथ' ने रोकी हैट्रिक

उमेश शर्मा

हिन्दी पट्टी के तीन राज्यों में हार से हताश कांग्रेस ने दक्षिण भारत में जरूर तेलंगाना विजय कर ताज हासिल कर लिया। कांग्रेस के हाथ ने हैट्रिक की ओर बढ़ते मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति के रथ को रोक ही लिया। कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला। इसके साथ ही कर्नाटक के बाद अब दक्षिण के दूसरे राज्य में कांग्रेस की सरकार है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में सबसे आखिर में तेलंगाना में हुए चुनाव में कांग्रेस ने केसीआर को कड़ी चुनौती दी। यहां तक कि राज्य के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में उनको समर्थन देने वाले ओवैसी के वोट बैंक तक में कांग्रेस ने सेंध लगाई। हालांकि भाजपा भी लम्बे समय से तेलंगाना में खुद को मजबूत दावेदार के रूप में पेश कर रही थी, लेकिन उसे आशातीत सफलता नहीं मिल सकी।

तेलंगाना

बहुमत 60 | सीटें 119

राज्य बनने के बाद पहली बार बनी कांग्रेस सरकार

कांग्रेस	बीआरएस	भाजपा
64 (+45)	**39 (-49)**	**8 (+7)**
2018 में 19 सीटें	2018 में 88 सीटें	2018 में 1 सीटें
वोट शेयर 39.4 प्रतिशत	**वोट शेयर 37.4 प्रतिशत**	**वोट शेयर 13.9 प्रतिशत**
2018 में 28.34 प्रतिशत	2018 में 47 प्रतिशत	2018 में 7 प्रतिशत

कांग्रेस के साथ भाजपा ने भी इस चुनाव में भ्रष्टाचार व परिवारवाद को लेकर बीआरएस के रास्ते में स्पीड ब्रेकर लगाए थे। नए मुख्यमंत्री अनमूला रेवंत रेड्डी के सात दिसम्बर को शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा व राहुल गांधी भी मौजूद थे।

एबीवीपी से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कर कांग्रेस के बैनर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनने तक अनुमूला का राजनीतिक सफर संघर्ष भरा है। केसीआर के नाम से मशहूर के. चन्द्रशेखर राव के बाद तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री बने रेवंत रेड्डी बहुत जुझारू हैं। वे कभी हार न मानने वाले और अपने जज्बे के लिए साथी नेताओं, पार्टीजनों और लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। 2015 के नोट के बदले वोट मामले में रेड्डी को गिरफ्तार किया गया था। उस समय उन्हें तेदेपा अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू का एजेंट बताया गया था। रेड्डी पहले कुछ समय के लिए बीआरएस (तब तेलंगाना राष्ट्र समिति) में रह चुके हैं।

प्रजाला सरकार का काम शुरू

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रजाला सरकार का काम अब शुरू हो गया है। बंगारू तेलंगाना का सपना साकार करेंगे और अपने सभी वादे पूरा करेंगे।

मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ए. रेवंत रेड्डी को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव समर्थन का आश्वासन भी दिया।

भाजपा से हारे सीएम केसीआर

तेलंगाना में भाजपा के केवी रमन्ना रेड्डी ने कामा रेड्डी सीट पर सीएम केसीआर को शिकस्त दी। हालांकि भाजपा ने 3 सांसद उतारे थे, तीनों को ही हार मिली।

रेवंत का राजनीतिक सफर

2006 में जिला परिषद चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते।

2007 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अविभाजित आंध्रप्रदेश में विधान परिषद में निर्वाचित हुए।

2009 में कला स्नातक रेड्डी ने तेदेपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता।

2014 में तेलंगाना के अलग राज्य बनने पर भी रेड्डी ने चुनाव में जीत दर्ज की।

2015 में उनको राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। रेड्डी ने विधान परिषद चुनाव में तेदेपा के पक्ष में वोट देने के लिए एक मनोनीत विधायक को रिश्वत देने की कोशिश की। घटना कैमरे में कैद हो गई। उनको जेल भेज दिया गया। बाद में जमानत मिल गई।

2018 के विधानसभा चुनाव में बीआरएस प्रत्याशी से चुनाव हारे।

2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना की मल्काजगिरि संसदीय सीट से कांग्रेस सांसद के रूप में निर्वाचित हुए। इस निर्वाचन क्षेत्र में देशभर के लोगों की मौजूदगी के कारण इसे मिनी इंडिया बताया जाता है।

2021 में कांग्रेस के जूनियर नेता होने के बावजूद प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

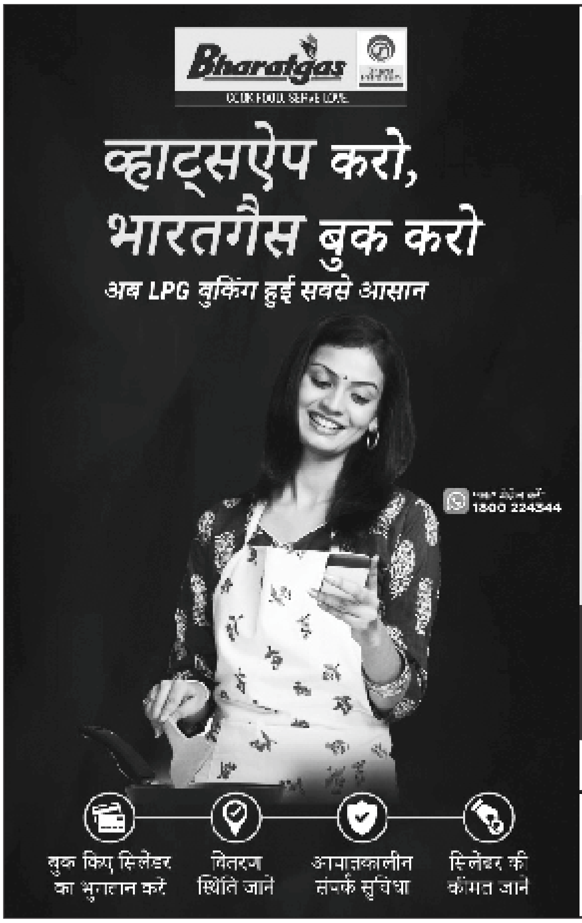

नए साल में छोटे पर्दे पर बड़े धमाके

आरती सक्सेना

छोटा पर्दा कभी भी छोटा नहीं रहा क्योंकि बड़े-बड़े सितारे जब विफल होने की कगार पर थे तब छोटा पर्दा ही था जो उनका सहारा बना। फिर चाहे वह बालीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ही क्यों न हों, जिन्होंने कौन बनेगा करोड़पति के जरिए कामयाबी का नया सफर शुरू किया, या फिर दबंग खान सलमान ही हों, जिन्होंने सोनी चैनल पर दस का दम और कलर्स चैनल के रियलिटी शो बिग बास के 17 संस्करण करके एक नया इतिहास कायम किया है। कई चैनल वाले, और धारावाहिक बनाने वाले निर्माता 2024 के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। इस साल कई ऐसे धारावाहिक आ रहे हैं जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगे।

साल 2023 के खत्म होते-होते छोटे पर्दे पर नए धारावाहिकों की शुरुआत हो चुकी है। जैसे सोनी चैनल पर झलक दिखला जा, इंडियन आइडल, कलर्स चैनल पर खतरों के खिलाड़ी, आपकी अदालत, चांद जलने लगा, डोरी, आदि शुरू हो चुके हैं। वहीं और भी कई सारे धारावाहिक हैं जो टीवी पर जल्दी प्रसारित होंगे। जैसे, जहां एकता कपूर का धारावाहिक नागिन 6 काफी लोकप्रिय रहा, वहीं अब खबरों के अनुसार 2024 में एकता कपूर 'लॉकअप' शो लेकर आ रही हैं, जो पहले ओटीटी पर काफी लोकप्रिय हो चुका है वह अब जी टीवी पर प्रसारित होने की संभावना है। इसके अलावा एकता कपूर की 'नागिन 7' को लेकर भी तैयारी जोर शोर पर है। जो 2024 में कलर्स चैनल पर दिखाया जाएगा।

डांस दीवाने का नया संस्करण, जिसकी जज माधुरी दीक्षित ही हैं वह भी आने वाले साल में कलर्स चैनल पर प्रसारित होगा। मेरा बलमा थानेदार, कलर्स चैनल पर चांदनी, जी टीवी पर श्रीमद् रामायण, सोनी चैनल पर चिरंजीवी, हनुमान, आंगन अपनों का, सब टीवी पर काव्या, जज्बा संस्करण-1 जुनून, सोनी चैनल पर, बातें कुछ अनकही, स्टार प्लस पर पूर्णिमा, दंगल टीवी पर लड्डूगोपाल, शेमारू टीवी पर काल पुरुष, स्टार प्लस पर, तुम बिन जाऊं कहां, अतरंगी चैनल पर, कलर्स चैनल पर विवान दसना का नया अनाम शो, इतना करो ना प्यार संस्करण 2 सोनी चैनल पर, संजोग जी टीवी पर, अफलातून सान आफ अलाउद्दीन सब टीवी पर, आंगन अपनों का, सब टीवी पर और अटल एंड टीवी पर, रश्मि शर्मा का नया धारावाहिक जो की विवाह फिल्म पर आधारित है, जल्द ही प्रसारित होगा।

टीवी पर एक कुड़ी पंजाब दी, सोनी चैनल पर दबंग बाप-बेटी, एकता कपूर का नया धारावाहिक

कसम से का दूसरा संस्करण, जी टीवी पर एक कुड़ी पंजाब दी, सोनी पर हीरोइन जिंदगी के पन्नों की, दंगल टीवी पर सासू जी तूने मेरी कदर न जानी, स्टार भारत पर शैतानी रस्में और ब्रह्मराक्षस 3, कलर्स चैनल पर संसार, सब चैनल पर बालवीर संस्करण 3, आदि धारावाहिक 2024 में छोटे पर्दे की शोभा बढ़ाएंगे। इसके अलावा बिग बॉस का नया संस्करण, कौन बनेगा करोड़पति का नया संस्करण, नच बलिए का नया संस्करण स्टार प्लस पर आने वाले साल में प्रसारित होगा।

छोटे पर्दे की गरिमा कम नहीं हुई

छोटे पर्दे के जरिए सलमान को ढेर सारा प्यार और बड़ी पहचान मिली है। यही वजह है कि कई सारे अन्य मंच आने के बावजूद छोटे पर्दे की गरिमा कभी भी कम नहीं हुई। इसके उदाहरण कई सारे धारावाहिक हैं जो वर्षों से चले आ रहे हैं। फिर चाहे वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा हो, कौन बनेगा करोड़पति, बिग बॉस हो या सीआइडी। ये धारावाहिक आज भी उतना ही लोकप्रिय हैं जितना की शुरुआत में थे। यह सारे धारावाहिक 2023 में भी छाए रहे। इन धारावाहिकों के अलावा और भी कई अन्य जैसे अनुपमा, नागिन 6, द कपिल शर्मा शो, यह रिश्ता क्या कहलाता है, कुंडली भाग्य, भाभीजी घर पर हैं, गुम है किसी के प्यार में, भाग्यलक्ष्मी आदि ने 2023 में ढेर सारी लोकप्रियता बटोरी।

तार्थंकर

पंच मुख्य व्रत के प्रवर्तक पार्श्वनाथ

राकेश कुमार सिन्हा 'रवि'

जन्म कल्याणक : 6 जनवरी

जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए, जिनमें 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का जन्म 22वें तीर्थंकर अरिष्टनेमि के करीब 1000 वर्षों के बाद 872 ईसा पूर्व में पौष कृष्ण दशमी को विशाखा नक्षत्र में काशी में इक्ष्वाकु वंश मं हुआ था। इनकी माता वामदेवी तथा पिता का नाम अश्वसेन था। माताजी ने अपनी गर्भकाल में स्वप्न में एक बार फणधारी सर्प देखा था, इस कारण बालक का नाम पार्श्व रखा। महावीर स्वामी के जन्म के करीब 250 वर्ष पूर्व श्री पार्श्वनाथ का आविर्भाव एक युगान्तकारी घटना है। जैन आगम ग्रंथों में तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नौ जन्मों का स्पष्ट उल्लेख है। पहले जन्म में मरुभूमि नामक ब्राह्मण, दूसरे में वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें में देव, छठे में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें में देवता, आठवें में आनंद नामक राजा और नौवें जन्म में इद्रं बनने के बाद दसवें जन्म में पूर्व जन्मों के संचित पुण्य फल के उपरांत इन्हें तीर्थंकर बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री पार्श्वनाथ का वर्ण नीला, जबकि चिह्न सर्प है। इनके यक्ष का नाम पार्श्व व यक्षिणी को पद्मावती के नाम से जाना जाता है। श्री पार्श्व ने पौष माह की कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि को वाराणसी में जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त की और उसके दो दिन बाद पायस का प्रथम पारणा किया। मात्र 30 वर्ष की अवस्था में सांसारिक मोहमाया का त्याग कर सन्यासी हो गए और फिर 83 दिन की कठोर तपस्या के बाद 84वें दिन दिन कैवल्य प्राप्त किया। करीब 100 वर्ष की अवस्था में सम्मेद शिखर के ऊंचे शिखर खंड पर आप 772 ईसा पूर्व में श्रावण कृष्ण अष्टमी के दिन निर्वाण को प्राप्त हुए। जहां पूर्व काल में कुल 19 तीर्थंकरों को निर्वाण लाभ की प्राप्ति हुई थी। इनके निर्वाण तीर्थ स्मारक को यहां टोंक कहा जाता है।

भगवान पार्श्वनाथ के गणधरों की संख्या 10 थी। इनमें आर्यदत्त स्वामी प्रथम गणधर हुए। श्री पार्श्वनाथ ने ही जैन धर्म के पंच मुख्य व्रत की शिक्षा दी, जिनमें सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य आते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि उनके समय में अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य का समावेश एक ही व्रत में होता था। श्री पार्श्वनाथ ने ही चतुर्विध संघ की स्थापना की, जिनमें मुनि, आर्यिका, श्रावक व श्राविका होते हैं। आज भी जैन समाज में यही परम्परा कायम है। उनके चातुर्याम धर्म का उल्लेख बौद्ध साहित्य त्रिपिटक में भी है। भगवान पार्श्वनाथ जैन धर्म को जन-जन के बीच लोकप्रिय बनाकर ऐसा महती कार्य कर गए, जिसकी आभा आज भी जीवंत है।

सर्दियों में प्यास का नहीं मिल पाता सिग्नल

निष्ठा शर्मा

गर्मियों में हमेशा प्यास लगती है। प्यास लगने पर गला सूखने लगता है यानी शरीर हमें संकेत देता है कि शरीर में पानी कम हो रहा है कृपया पानी पी लें। लेकिन सर्दियों में हमारा शरीर प्यास का सिग्नल देना भूल जाता है। प्यास का सिग्नल फेल होना ठीक उसी तरह से हमारे शरीर के लिए घातक है जैसे कार के रेडिएटर का सिग्नल बंद हो जाए। ऐसे में गाड़ी का इंजन गर्म हो जाता है और आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

दरअसल हमारे शरीर में 75 फीसदी तक पानी होता है। शरीर के अंदर चलने वाली सारी प्रक्रियाओं के लिए पानी अंत्यत आवश्यक है। ठंड में भी पानी की उतनी ही जरूरत होती है जितनी गर्मी में इसलिए पानी पीने के लिए प्यास लगने का इंतजार न करें।

भोजन से 30 मिनट पहले या बाद में एक गिलास पानी पीएं। ये पाचन क्रिया में मदद करता है और शरीर भोजन के पोषक तत्वों को अधिक मात्रा में अवशोषित कर पाता है।

उम्र के साथ कम हो जाती है प्यास

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के अनुसार उम्र बढ़ने पर प्यास कम लगती है। इस वजह से बड़ी उम्र के लोगों को अक्सर डिहाइड्रेशन की शिकायत होती है। इस उम्र में कमजोरी, लो ब्लड प्रेशर, चक्कर आना और घबराहट होना भी प्यासे होने का सिग्नल हो सकते हैं। ज्यादा दवाओं के सेवन से भी प्यास में कमी आती है। अपनी उम्र को ध्यान में रखते हुए पानी पर्याप्त मात्रा का सेवन करें।

सही समय पर पानी पिएं

सुबह नींद से जगने के बाद दो ग्लास पानी पिएं। ये दिन के पहले भोजन से पहले अंगों में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। नहाने से पहले एक ग्लास पानी पीने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। रात को सोने से पहले एक ग्लास पानी पिएं ताकि रात में होने वाले वाटर लॉस से शरीर को बचाया जा सके। वर्कआउट करते हैं तो इससे पहले और बाद में भी पानी पीना आवश्यक है।

पानी पीने का सही तरीका

- **बैठकर पानी पिएं:** खड़े होकर पानी पीने से उसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को नहीं मिल पाते।
- **छोटे–छोटे घूंट लें:** पानी के छोटे–छोटे घूंट लेने से पानी और थूक पेट में जाकर अम्ल को स्थिर करने ने में मदद करते है। इससे शरीर रोग से मुक्त होता है।
- **थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहें:** दिनभर थोड़ा–थोड़ा पानी पीते रहने से आपको संतुष्टि महसूस होगी। इससे आप अपने को हर समय तरोताजा पाएंगे।
- **बहुत ज्यादा ठंडा पानी न पिएं:** खाने के साथ बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीने से पेट में विषैले पदार्थ बन सकते हैं। हमेशा सामान्य तापमान का पानी पिएं।
- **बहुत ज्यादा पानी न पिएं:** कई बार भूख मारने के लिए हम खाने से पहले ज्यादा पानी पी लेते हैं। इससे पाचन प्रक्रिया को नुकसान पहुंचता है।
- **बोतल से पानी न पिएं:** बोतल बीमारियों का घर होती है, इससे बचें।

Happy New Year
"श्री आदिनाथाय नमः"
Rishabh Jain
JAI - MEWAR
TOURIST AGENCY
An ISO 9001:2008 Certified Company
शत् शत् नमन
Contractor,
Travel Agent & Tour Operator of
A.C. Luxury Coaches & Mini Coaches
Tempo Travellers,Tavera,Innova,
Lusury Car Etc. & Hotel Reservations for
Group Tours, Honeymoon Packages,
L.T.C./L.F.C., All India Tours
Marriages,Picnics,Yatras etc.
+91 8619343478, +91 9414161999
jaimewar999@rediffmail.com
www.jaimewarbuses.com
15, City Station Road, Nr. Hotel Pathik, Udaipur (Raj.) 313 001

जीत ली ज़िंदगी की जंग

दुर्गाशंकर मेनारिया

उत्तराखंड में चारधाम सड़क परियोजना के तहत निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में मिट्टी के धंसाव के कारण 17 दिन तक फंसे रहे सभी 41 श्रमिकों को 28 नवम्बर को सुरक्षित निकाल गया है। जब पूरा देश 12 नवम्बर को दीपावली में रोशनी से सराबोर था, इन श्रमिकों को अंधेरे ने अपनी आगोश में लेकर जीवन-मरण के बीच झूलने को मज़बूर कर दिया। लेकिन फंसे श्रमिकों के मज़बूत हौसले और बचाव दल के पक्के इरादे ने मौत को मात दी और जिंदगी की जंग को जीत लिया।

दुनिया में ऐसे दुर्गम अभियानों में सफलता हासिल करने के ऐसे उदाहरण गिने-चुने ही होंगे। सिलक्यारा सुरंग का निर्माण गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के बीच आवाजाही को आसान बनाने के लिए किया जा रहा है। सुरंग के बन जाने पर तीर्थयात्रियों को यात्रा में लगने वाला समय करीब एक घंटा कम हो जाएगा। लेकिन तीर्थयात्रियों का एक घंटा बचाने में लगे इन श्रमिकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि इसी सुरंग में उन्हें 400 से ज्यादा घंटे जिंदगी और मौत के बीच बिताने पड़ेंगे। जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ था तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है। सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां खड़ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया। उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां खड़ी हुईं। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। उसमें एक चौड़ी पाइप डाली गई और उसके रास्ते ट्राली की मदद से उन्हें बाहर निकालने का उपाय किया गया। सुरंग में 8 राज्यों के फंसे 41 श्रमिकों में सबसे ज्यादा 14 मजदूर झारखंड के थे। उसके बाद उत्तर प्रदेश के 7,

सिलक्यारा सुरंग बनाने वाली कम्पनी को इस तरह की परियोजनाओं पर काम करने का लम्बा तर्जुबा हो सकता है, मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर उससे गंभीर लापरवाही हुई है। मैदानी क्षेत्रों में इस तरह के काम में ज्यादा मुश्किल नहीं होती। लेकिन पहाड़ी इलाकों में विशेषकर उत्तराखंड में ज्यादा सावधानी, सतर्कता और विशेषज्ञता की जरूरत होती है। बहरहाल बचाव अभियान दल और फंसे श्रमिकों के हौसले की तारीफ करनी पड़ेगी। जिसने अंधेरे से जिंदगी को उबार कर उनके परिवारों को रोशन कर दिया।

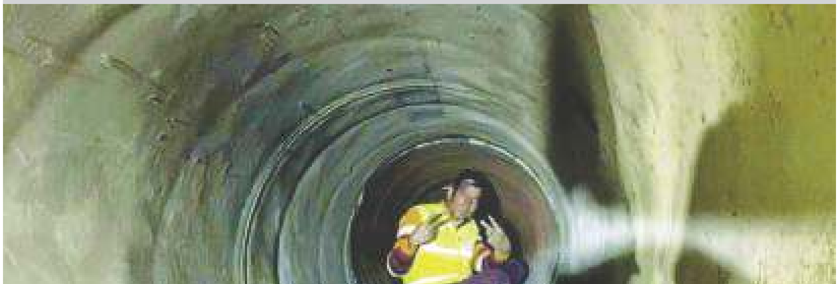

बिहार के 5 ओड़ीशा के 4, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड के तीन-तीन, असम के 2 तथा हिमाचल प्रदेश का एक मजदूर शामिल है। सुरंग का निर्माण एनएच आइडीसीएल के निर्देशन में नवयुग कंपनी कर रही है। सुरंग में हादसा 12 नवंबर की सुबह पांच बजे हुआ था। सिलक्यारा की ओर सुरंग के द्वार से 200 मीटर की दूरी पर भूस्खलन हुआ जबकि जो मजदूर काम कर रहे थे वे बाहर के द्वार के 2800 मीटर अंदर फंसे। आलवेदर रोड परियोजना के तहत तैयार की जा रही इस सुरंग के निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य पहले सितंबर 2023 तय किया गया था। बाद में काम में आ रही रूकावटों को देखते हुए इस लक्ष्य को आगे बढ़ाकर 2024 फरवरी तक कर दिया गया है। लेकिन हादसे के बाद अब सुरंग के बनने में और अधिक समय लगेगा। इसके निर्माण के समय जो मानक तय किए गए थे, वे पूरे किए गये अथवा नहीं, इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जांच की जा रही है। श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे।

सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई। अड़चनें पेश आती रहीं, पर हर मुश्किल से पार पाने के उपाय तलाशे जाते रहे। दूसरे देशों के सुरंग विशेषज्ञों से भी सलाह लेने में देर नहीं की गई। रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार की इस पर लगातार नजर रही तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला बढ़ाती रहीं। सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे।

www.innovatinghospitality.com

Happy New Year

INNOVATING HOSPITALITY
By Chef Vimal Sangeeta Dhar

UDAIPURI™
A VEGETARIAN KITCHEN

+91 900 179 7730, + 91 900 109 7754
1, Shastri Circle, Udaipur, info@iudaipuri.com

WEDDING
FOOD - CATERING
INDUSTRIAL CATERING
COOKING CLASSES
MENU DESIGNING
MANAGEMENT
CONTRACTS

AKSHATEJ
UDAIPURI
GGHOLIDAY HOMES
CORPORATE Canteens
YouTube CHEF VIMAL DHAR
Chef Sangeeta's

www.innovatinghospitality.com

मेवाड़ में सिमटी कांग्रेस

■ राजसमंद व चित्तौड़गढ़ में नहीं मिली एक भी सीट ■ नाथद्वारा में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी हारे
■ सलूम्बर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रघुवीरसिंह मीणा पराजित ■ उदयपुर में राष्ट्रीय प्रवक्ता की बुरी हार

राजस्थान विधानसभा चुनावों में मेवाड़ अंचल के तीन जिले ऐसे रहे जहां कांग्रेस का सफाया हो गया। यहां खेमाबंदी ने उसे बड़ा नुकसान पहुंचाया। उदयपुर जिले की 8 विधानसभा सीटों में से 6 भाजपा के खाते में गई, वहीं राजसमंद में तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई हैं। प्रतापगढ़ के धरियावद में बाप पार्टी के थावरचंद ने दोनों प्रमुख दलों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। नाथद्वारा में विधानसभा अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सीपी जोशी अपनी कुर्सी नहीं बचा पाए। पहली बार चुनावी मैदान में उतरे पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वराजसिंह मेवाड़ ने डॉ. जोशी को 7504 मतों से हराया। चित्तौड़गढ़ जिले में भी कांग्रेस सिमट गई। चार पर भाजपा एवं एक सीट पर निर्दलीय ने कब्जा जमाया। चित्तौड़गढ़ सीट पर निर्दलीय चन्द्रभानसिंह चौहान ने 98,446 वोट प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत को 6823 वोटों से हराया। भाजपा प्रत्याशी नरपतसिंह राजवी को महज 19,913 वोट मिले और वे अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। बेंगू में भाजपा के डॉ. सुरेश धाकड़ ने 1,36,714 वोट प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राजेन्द्रसिंह विधुड़ी को 50,661 वोटों से हराया। बड़ीसादड़ी सीट पर भाजपा के गौतम दक ने 1,03,940 वोट प्राप्त कर जीत दर्ज की। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बद्रीलाल जाट को 11832 को वोटों से हराया। निम्बाहेड़ा सीट पर भाजपा के श्रीचन्द्र कृपलानी ने 1,16,640 वोट प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना को 3845 मतों से शिकस्त दी। कपासन सीट पर भाजपा के अर्जुनलाल जीनगर ने कांग्रेस के शंकरलाल बैरवा को 21,344 वोटों से हराया। उन्हें 84,778 वोट मिले। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के आनंदी राम को 29,425 वोट हासिल हुए। मेवाड़ की 19 सीटों में से भाजपा ने 15, कांग्रेस ने 2 तथा निर्दलीय व भारत आदिवासी पार्टी ने 1-1 सीट जीती। वागड़ की 9 में से भाजपा सिर्फ 1 सीट जीत पाई। कांग्रेस ने 5 व बीएपी ने 3 सीटों पर कब्जा किया। इस तरह मेवाड़-वागड़ की 28 सीटों में से 16 सीटें भाजपा के खाते में गई। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड को भाजपा ने इस अंचल में बड़ा मुद्दा बनाया। इसकी शुरुआत अमित शाह ने बेणेश्वर धाम की रैली से ही कर दी थी। तभी यह तय हो गया था कि यहां भाजपा का ध्रुवीकरण कार्ड कैश हो जाएगा।

अंचल के प्रमुख विजेता

विश्वराज सिंह
भाजपा नाथद्वारा

ताराचंद जैन
भाजपा उदयपुर

दयाराम परमार
कांग्रेस खेरवाड़ा

उदयलाल डांगी
भाजपा वल्लभनगर

दीप्ति माहेश्वरी
भाजपा राजसमंद

चन्द्रभान सिंह आक्या
निर्दलीय चित्तौड़गढ़

गणेश घोघरा
कांग्रेस डूंगरपुर

महेन्द्रजीत सिंह
कांग्रेस बागीदौरा

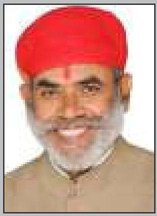
फूलसिंह मीणा
भाजपा उदयपुर ग्रामीण

अर्जुनसिंह बामनिया
कांग्रेस बांसवाड़ा

प्रतापगढ़ : एक सीट

विधानसभा	भाजपा	कांग्रेस	बाप	जीत का अंतर
धरियावद	76,964	46449	83644	6691
प्रतापगढ़	87,644	62535	62023	25109

राजसमंदः सफाया

विधानसभा	भाजपा	कांग्रेस	जीत का अंतर
भीम	93905	62137	31768
कुंभलगढ़	78133	56073	22060
नाथद्वारा	94950	87446	7504
राजसमंद	90143	62081	31962

धरियावद में बीएपी की धमक

प्रतापगढ़ सीट पर भाजपा के हेमंत मीणा और धरियावद सीट पर बीएपी के थावरचंद विजयी रहे। प्रतापगढ़ में हेमंत मीणा ने 87,644 मत एवं कांग्रेस के रामलाल मीणा को 62,535 मत प्राप्त हुए। धरियावद सीट पर बीएपी के थावरचंद ने कुल 83,655 मत हासिल किए, जबकि भाजपा के कन्हैयालाल को 76,964, कांग्रेस के नगराज मीणा को 46,449 वोट मिले।

डूंगरपुर जिले में दो सीटों पर भारत आदिवासी पार्टी, एक पर कांग्रेस और एक पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। डूंगरपुर सीट पर कांग्रेस के गणेश घोघरा, आसपुर सीट पर बीएपी के उमेश मीणा, सागवाड़ा सीट पर भाजपा के शंकरलाल डेचा और चौरासी सीट से बीएपी के राजकुमार रोत जीते। बांसवाड़ा जिले की गढ़ी सीट पर भाजपा के कैलाश मीणाा, बांसवाड़ा सीट पर कांग्रेस अर्जुनसिंह बामनिया, कुशलगढ़ सीट पर कांग्रेस की रमीला खड़िया, बागीदौरा सीट पर कांग्रेस के महेन्द्रजीतसिंह मालवीया, घाटोल सीट पर कांग्रेस के नानालाल निनामा ने जीत दर्ज की। मेवाड़ अंचल के परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि राजस्थान में सरकार के गठन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रहती है।

उदयपुर जिले के परिणाम

उदयपुर शहर

भाजपा के ताराचंद जैन	96046
कांग्रेस के प्रो. गौरव वल्लभ	63790

उदयपुर ग्रामीण

भाजपा फूलसिंह मीणा	103039
कांग्रेस के डॉ. विवेक कटारा	75694
बीएपी के अमितकुमार खराड़ी	25172

झाड़ोल

भाजपा के बाबूलाल खराड़ी	75881
कांग्रेस के हीरालाल दरांगी	69222
बीएपी के दिनेश पांडोर	44503

मावली

कांग्रेस के पुष्करलाल डांगी	77696
भाजपा के केजी पालीवाल	76129
आरएलपी के कुलदीपसिंह	32521

वल्लभनगर सीट

भाजपा के उदयलाल डांगी	83227
कांग्रेस की प्रीति शक्तावत	63167
जनता सेना की दीपेन्द्र कुंवर	47032

सलूम्बर सीट

भाजपा के अमृतलाल मीणा	80086
कांग्रेस के रघुवीरसिंह मीणा	65395
बीएपी के जितेश कुमार मीणा	51691

खेरवाड़ा

कांग्रेस के डॉ. दयाराम परमार	75,678
भाजपा के नानालाल अहारी	59,367
बीटीपी के प्रवीणकुमार परमार	53290
बीएपी के विनोदकुमार मीणा	16189

गोगुंदा

भाजपा के प्रतापलाल भील	87827
कांग्रेस के डॉ. मांगीलाल गरासिया	84,162
बीएपी के उदयलाल	8094
बसपा के धनपतराम गरासिया	3400

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

किशनलाल साहू
94142 90211

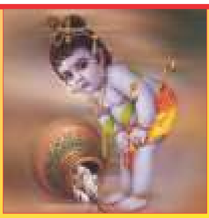

सुरेश साहू 92529 83227,
दिनेश साहू 98876 33153
तुषार (भोलु) 97845 63699

श्री कृष्ण दही भण्डार
एण्ड मिल्क प्रोडक्ट, स्वीट्स

मलाई वाला दही, पनीर, क्रीम, रबड़ी, केसर बाटी, रसगुल्ला, श्रीखण्ड, मलाई बर्फी, लस्सी, फीका मावा, छाछ, मक्खन, बटर, देशी घी, सरस दूध, घेवर, गुलाब जामुन, सोहन पपड़ी, बंगाली मिठाइयां, रबड़ी कुल्फी, आईसक्रीम, हरा मटर

शादी व पार्टियों में ऑर्डर लिए जाते हैं

19-25 धानमण्डी स्कूल मार्ग, उदयपुर

मौला की देहरी पूरी होती मुराद

अल्फेज खान

रंग-रंगीले राजस्थान का प्रसिद्ध शहर 'अजमेर' राजस्थान की 'सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में संपूर्ण विश्व में पहचान रखता है। जहां प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ धार्मिक आस्था से जुड़े हिन्दुओं के तीर्थराज पुष्कर व मुस्लिम समुदाय के पवित्र स्थल ख्वाजा साहब की दरगाह का विशेष महत्व है। सूफी सन्त ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का जन्म तो फारस के खुरासान प्रांत के 'संजर' गांव में हुआ था। लेकिन उनकी दरगाह भारत के अजमेर में है। यहीं इनका सालाना उर्स मनाया जाता है। जिसमें देश-विदेश से लाखों जायरीन अकीदत के फूल चढ़ाने आते हैं। इस माह के दूसरे सप्ताह में 812वाँ सालाना उर्स मनाया जाएगा।

ग़रीब नवाज़ के नाम से मशहूर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती महान सूफी सन्तों में से एक थे। 1191 ई. में फारस से आने के बाद वे अजमेर में बस गये और सूफी मत के सिद्धान्तों का उपदेश दिया। उनका जन्म 530 हिजरी में हुआ। उनके पिता हजरत गयासुद्दीन चिश्ती और माता बीबी महनूर उम्मूल वारा थी। 15 वर्ष की उम्र में ही उन पर से उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। और वे अकेले हो गये। उन्हीं दिनों हजरत इब्राहिम कन्नौजी से मुलाकात के बाद उनकी जिन्दगी की धारा ही बदल गई और वे अपनी दौलत व जायदाद गरीबों में बांट कर आध्यात्मिकता की खोज में निकल पड़े। तभी उनकी मुलाकात सूफी संत हजरत ख्वाजा उस्मान हरवानी से हुई। उनसे उन्होंने चिश्ती धर्म में दीक्षा प्राप्त की व बीस वर्ष तक उनके मार्गदर्शन में रहने के बाद वे खलीफ़ा बने। ईरान, इराक, सीरिया और अफगानिस्तान की यात्रा कर गजनी से चालीस शिष्यों के साथ हिन्दुस्तान आकर अजमेर में बस गये। यहाँ आकर वे आध्यात्मिक - उपदेश देने व गरीबों के उद्धार में जुट गये। 'सबसे प्यार, नफ़रत किसी से नहीं' - यही उनके विश्वास व शिक्षाओं का आधार था। ग़रीब नवाज़ ने हमेशा इसी बात का प्रचार किया कि प्यार और करुणा ही मालिक तक पहुँचने के रास्ते हैं । 'उर्स' शब्द 'उरूज' शब्द से बना है। जिसका अर्थ है - 'व्यक्ति का ईश्वर से चरम मिलन' कहा जाता है कि ख्वाजा ग़रीब नवाज़ ने अपनी जिन्दगी के आखरी 6 दिन एक कोठरी में अकेले बिताये और इस्लामी महीने 'रज्जब' के छठे दिन उनकी पवित्र रूह नश्वर शरीर को छोड़ गई ।'उर्स मुबारक' प्रत्येक वर्ष 'रज्जब' के महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार व खुशी का मौका है, क्योंकि किसी भी सूफी संत का उर्स (पुण्यतिथि)शोक मनाने का नहीं बल्कि उनकी आत्मा के परमात्मा से मिलन का मंगलमय अवसर माना गया है। 627 हिजरी में ख्वाजा साहब के निधन उपरान्त लोग प्यार व सम्मान से उन्हें 'ग़रीब नवाज़' (ग़रीबों का पोषक) कहने लगे। उनकी नजरों में सच्चा भक्त वही है जो बेइंतहा बहने वाले दरिया की तरह दानशील हो। जिसका स्नेह धूप-सी उष्मामय हो और जो मानव मात्र को अपनी सम्पदा लुटाने वाली धरती के समान समदर्शी, सत्कारशील और विनम्र हो। इसी कारण हर वर्ष दरगाह शरीफ अजमेर में लाखों लोग आकर आज भी उनके दान, प्रेम तथा सद्भाव के धार्मिक संदेशों को याद करते हैं। हर भक्त का यही विश्वास है कि एक बार ख्वाजा की दरगाह में मत्था टेकने से जीवन की हर मुराद पूरी होगी। उर्स के समय श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है और इस समय विशेष प्रार्थनाओं, गरीब नवाज़ की स्तुतियों में धार्मिक गीतों व कव्वालियों का सिलसिला दिन-रात चलता ही रहता है। शुरु में यहाँ केवल एक कच्ची मजार थी, जो कुछ सदियों तक गुमनाम थी। किन्तु 1455 ई. में यहाँ माण्डू के सुल्तान महमूद खिलजी ने 85 फीट ऊँचा बुलन्द दरवाजा बनवाया। उसके बाद उनके पुत्र गियासुद्दीन खिलजी ने गुम्बद बनवाई। उसी समय सन्दल खाना व मस्जिद का निर्माण भी करवाया गया। मुगलकाल में बादशाह अकबर ने यहाँ एक विशाल मस्जिद व लंगरखाना बनवाया और बड़ी देग भेंट की। छोटी देग जहाँगीर ने बनवाई थी जो ताम्बे की थी। शाहजहाँ ने जामा मस्जिद और जहाँआरा ने बेगमी दालान का निर्माण कराया। वर्ष 1915 में हैदराबाद के निजाम उस्मान अली खाँ ने निजाम गेट बनवाया। बड़ी देग में 120 मन व छोटी देग में 80 मन चावल पकने की क्षमता है। सन् 1567 से 1612 तक लगातार प्रतिवर्ष उर्स के दौरान यह देग शाही खर्च पर पकवाई गई थी। यहाँ पर प्रत्येक जायरीन अपनी हैसियत के अनुसार मजार शरीफ पर कीमती चादरें भी चढ़ाते हैं। निजाम गेट, बुलंद दरवाजा, डीस, चिराग, महफिलखाना, बेगमी दालान, बीबी हाफिज जमाल की मज़ार, औलिया मस्जिद, जन्नती दरवाजा, अम्बरी मस्जिद आदि दरगाह शरीफ के प्रमुख एवं दर्शनीय स्थल हैं। सम्पूर्ण दरगाह संगमरमर से निर्मित और नयनाभिराम है। विशाल दरगाह के पाँच दरवाजे हैं जो 2 पूरब में व 3 पश्चिम में हैं। विश्व व भारत की हर वर्ग और मज़हब की अनेक प्रसिद्ध हस्तियाँ भी यहाँ जियारत के लिए आ चुकी हैं।

Sandeep
Director
94142 45355
Kapil, Director, 77377 07447
Sleepwell
D.S. Paneri
Director
92146 88612
Quality in Reasonable Price
All Kind of Home Furniture
शुभम् फर्नीचर प्लाजा व मानसी फर्निशिंग एंड डेकोर
An ISO 9001-2008 Certified Co.
Tekri Madri Main Road, Near 100 Ft. Subcity Center Road, Udaipur (Raj.)
E-mail : shubham.furnitureplaza@gmail.com

मुकेश जैन,
डायरेक्टर
Mo. 9680867866
98283-56666
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ट्विंकल
साड़ी
सभी प्रकार की वैरायटी
का एक साथ संग्रह
27, तीज का चौक, मेवाड़ केबल,
देहलीगेट के अंदर, उदयपुर (राज.)

राज बदला, रिवाज कायम

संघनिष्ठ भजनलाल के हाथ राजस्थान की कमान
दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा उप मुख्यमंत्री, देवनानी विधानसभा के अध्यक्ष

अमित शर्मा

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार जीतकर विधानसभा पहुंचे भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर एक ऐसा संदेश दिया है, जिसका असर पार्टी में निचले स्तर के कार्यकर्ताओं तक एक खुशखबरी की तरह पहुंचा है। ऐसे फैसले कम होते हैं, पर जब होते हैं, तब लोकतंत्र और उसकी जमीनी राजनीति के प्रति आम लोगों का भरोसा बढ़ता है। राजस्थान की राजनीति में अब पीढ़ी परिवर्तन का बिगुल बज गया है। प्रदेश की कमान साल 1998 से ही अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी-बारी संभालते आ रहे थे। कांग्रेस के अशोक गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री रहे, मगर भाजपा नेता वसुंधरा राजे को तीसरी बार से पहले मना लिया गया। हालांकि, राजस्थान की राजनीति में पूर्व-रजवाड़ों के अनुकूल रहने वाले समाज को निराश नहीं किया गया है। जहां पूर्व राजघराने से ताल्लुक रखने वाली दीया कुमारी को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया है,

वहीं दलित नेता प्रेमचंद बैरवा भी उप-मुख्यमंत्री बनाए गए हैं।

वास्तव में, भाजपा ने इस बार जितने अध्ययन और चिंतन से अपने प्रादेशिक चेहरों का चयन किया है, वह एक मिसाल है। राजस्थान की ही बात करें, तो ब्राह्मण मुख्यमंत्री, राजपूत और दलित, दो उप-मुख्यमंत्री, साथ ही, सिंधी समाज से आने वाले वरिष्ठ नेता वासुदेव देवनानी को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है। यह सामाजिक समीकरण के अनुरूप कुशल राजनीतिक अभिव्यंत्रिकी है। कांग्रेसी मुख्यमंत्री हरदेव जोशी यानी 1990 के बाद राजस्थान को ब्राह्मण मुख्यमंत्री नहीं मिला था। प्रदेश में ब्राह्मण मतदाता 8-9 प्रतिशत ही हैं, पर लगभग 50 विधानसभा सीटों पर प्रभावी हैं। देश भर में ब्राह्मण समुदाय भाजपा का परंपरागत समर्थक वर्ग माना जाता है। दीया कुमारी को उप-मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने वसुंधरा की अनदेखी से नाराज हो सकने वाले राजपूत समुदाय को संतुष्ट रखने की कोशिश की है। राजस्थान में राजपूत मतदाता हैं, तो नौ प्रतिशत, पर लगभग 60 सीटों को प्रभावित करते हैं। शेष देश में भी राजपूत मतदाताओं की पहली पसंद भाजपा ही रहती है। राजस्थान में अनुसूचित जाति मतदाता इनसे कहीं ज्यादा 18 प्रतिशत हैं। प्रेमचंद बैरवा को दूसरा उप-मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा, कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक अनुसूचित जाति वर्ग में कितनी सेंध लगा पाएगी- यह समय ही बताएगा।

हार के कारणों का मंथन कांग्रेस ने शुरू किया है, लेकिन कांग्रेस की हार का बड़ा कारण ज्यादातर मौजूदा विधायकों को ही जिताऊ बताकर टिकट रिपीट करना भी रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस सरकार के बड़बोले मंत्रियों के प्रति जनता की नाराजगी भारी पड़ी। सरकार बचाने में मदद करने वाले विधायकों को टिकट दिलाते समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बात पर गौर नहीं कर पाए कि जनता में मंत्री और विधायकों को लेकर कितनी नाराजगी थी। गहलोत के प्रति जनता में कोई शिकवा-शिकायत न थी। मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर दो-ढाई साल चली तनातनी ने भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुंचाया। हालांकि गहलोत ने बहुत हद तक जनकल्याणकारी योजनाओं से उसकी भरपाई भी की, लेकिन एक अकेला करता भी क्या? फिर भी 2013 की तुलना में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

राजस्थान को देश का नंबर 1 राज्य बनाएं...

भजनलाल शर्मा को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा करता हूं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में आप कार्य करते हुए प्रदेश के विकास की गति को आगे भी बनाए रखेंगे एवं राजस्थान को देश का नंबर 1 राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भूमिका निभाएंगे। -

***अशोक गहलोत**, पूर्व मुख्यमंत्री*

यूं खास बने भजनलाल शर्मा

- ग्राम अटारी में पढ़ाई के साथ संघ से जुड़े।
- 16 साल की उम्र में संघ, 20 की उम्र में एबीपीवी से फिर भाजयुमो और यहां भाजपा में एंट्री हुई। 34 साल से राजनीति में सक्रिय ।
- नदबई (भरतपुर)के गांव अटारी में पहले संघ कार्यकर्ता जिन्होंने संघ की शाखा लगाना शुरू किया, बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ा।
- 1990 में कश्मीर के लालचौक में राष्ट्रीय ध्वज फहराने गए, गिरफ्तार हुए।
- 1992 में श्रीराम जन्म भूमि आंदोलन में जेल गए।
- प्रदेश में रिकॉर्ड 4 बार लगातार 2016 से प्रदेश महामंत्री रहे, चार अध्यक्षों अशोक परनामी, मदनलाल सैनी, सतीश पूनिया और वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के साथ काम किया। 2015 में प्रदेश उपाध्यक्ष रहे।
- प्रदेश में 51 हजार से ज्यादा बूथों पर पार्टी की टीम खड़ी करने में अहम भूमिका रही।
- गहलोत सरकार -2 (2008-13) और तीन के 2018-23 के दौरान सरकार को घेरने, बूथ-मंडल स्तर पर आंदोलन खड़ा करने वाले कोर नेताओं में शामिल।

राजस्थान: काम नहीं आई सात गारंटियां

परंपराओं का सामना करने वाले राजस्थान में राज बदलने का रिवाज इस बार भी कायम रहा। कांग्रेस को हरा पांच साल बाद भाजपा फिर सत्ता में आ गई। अशोक गहलोत की कल्याणकारी योजनाओं और 7 गारंटियों पर भाजपा के पेपर लीक, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे भारी रहे। उस पर पीएम मोदी की गारंटियों ने जीत का ठप्पा लगा दिया।

वासुदेव देवनानी
विधानसभा अध्यक्ष

राजस्थान	बहुमत 100	सीटें 199
भाजपा 115 (+42)	2018 में 73 सीटें **वोट शेयर:** 41.69% 2018 में 38.7%	
कांग्रेस 69(-30) 2018 में 99 सीटें **वोट शेयर:** 39.5% 2018 में 39.3%	**अन्य** 15(-12) 2018 में 27 सीटें **वोट शेयर:** 18.8% 2018 में 22%	

हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज कायम

25 में से 17 मंत्री हारे

सीएम अशोक गहलोत 26 हजार मतों से जीते। 25 में से 17 मंत्री चुनाव हारे। भाजपा के 7 में से 4 सांसद जीते। स्पीकर, नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष हारे।

भाजपा को मिली यह जीत ऐतिहासिक है। प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों, गारंटियों पर विश्वास जताया। कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की, जिस वजह से भाजपा की जीत हुई। लोग केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से आकर्षित हुए।

-सी.पी जोशी अध्यक्ष, भाजपा राजस्थान

पिम्स उमरड़ा और सैन्य अस्पताल में हुआ एमओयू

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंस पिम्स अस्पताल उमरड़ा काफी समय से देश के सैनिकों व उनके परिवार का बखूबी इलाज कर रहा है। इसके तहत 185 सैन्य अस्पताल और पिम्स अस्पताल के बीच एमओयू हुआ। इस पर पिम्स अस्पताल के चेयरमैन आशीष अग्रवाल, मेडिकल सुप्रीटेंड डॉ. चंद्रा माथुर और 185 सैन्य अस्पताल के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल यादवेन्द्रसिंह यादव ने हस्ताक्षर किए।

महेशचन्द्र शर्मा को भावभीनी विदाई

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक महेशचन्द्र शर्मा को उनकी सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। विभाग के निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने महेशचन्द्र शर्मा को साफा व माला पहनाकर और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने महेशचन्द्र शर्मा को अनुशासित और कार्यकुशल अधिकारी बताते हुए कहा कि वे सेवाकाल में सदैव मृदुभाषी और सरल स्वभाव के रहे। समारोह को विभाग के वित्तीय सलाहकार सुभाष दानोदिया एवं अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना ने भी संबोधित करते हुए शर्मा के कार्यों एवं व्यवहार की प्रशंसा की। महेशचन्द्र शर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। गजाधर भारत ने काव्य पाठ के माध्यम से महेश शर्मा के कार्यों एवं कार्यकाल की जानकारी दी, जबकि यंग इंटरनल सागर प्रजापति ने शर्मा को स्केच पेंटिंग भेंट की। इस दौरान विभाग की उपनिदेशक नर्मदा इंदौरिया, सूचना एवं जनसम्पर्क कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोपाल स्वरूप पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सोनी सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

बिजनेस में नवाचार आवश्यकः सिंघल

उदयपुर। मैन्यूफेक्चरिंग इंडस्ट्री हो अथवा सर्विस सेक्टर, बिजनेस में एक्सीलेंस के लिए नवाचार जरूरी है। यदि उत्पाद या सेवा में नवाचार नहीं करेंगे तो व्यवसाय में पिछड़ जाएंगे। यह विचार सुप्रसिद्ध उद्योगपति संजय सिंघल ने उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के पीपी सिंघल ऑडिटोरियम में व्यक्त किए। वे व्यापार उत्कृष्टता और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए नवाचार विषय पर पैनल परिचर्चा में बोल रहे थे। ऑब्जर्व के लिए अजय आचार्य, जेके टायर के अनिल मिश्रा, पायरोटेक टेम्पसंस ग्रुप के विनय राठी और रामा फॉस्फेट के के.पी. सुखतांकर पेनलिस्ट थे। यूसीसीआई एक्सीलेंस अवार्ड कमेटी के चेयरपर्सन मनीष गोधा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कॉफी विद् सीइओज

उदयपुर। सीआइआइ उदयपुर जोनल काउंसिल की ओर से काफी विद सीइओज का आयोजन पिछले दिनों किया गया। वेदांता समूह के कार्यकारी निदेशक और हिन्दुस्तान जिंक के सीइओ अरुण मिश्रा ने बताया कि वेदांता लिमिटेड ने सीआइआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप्स (सीआइइएस) के साथ एक रणनीति साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य कॉर्पोरेट स्टार्टअप कनेक्ट को बढ़ावा देना और सीआइआइएस के कॉर्पोरेट एक्सेलेरेट कार्यक्रम के माध्यम से प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप को सहायता प्रदान करना है। सीआइआइ उदयपुर के अध्यक्ष और आर्कगेट टेक्नोलॉजीज एलएलपी के सीइओ कुणाल बागला ने कहा कि दुनिया में लोगों की मदद करने में सामान्य रूप से प्रौद्योगिकी और विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटलीकरण की प्रमुख भूमिका है। आईटी इनोवेशन और स्टार्ट अप पर सीआइआइ राजस्थान पैनल के संयोजक अनुराग जैन ने कहा कि स्टार्टअप बनाने की यात्रा थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन समर्पण और लगातार प्रयास से इसे पार किया जा सकता है। कार्यक्रम में सीआइआइ उदयपुर के उपाध्यक्ष एवं अरावली समूह के निदेशक सुनील लुणावत, सीआइआइ राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख नितिन गुप्ता, अद्वैया सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष गोधा, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर के निदेशक प्रोफेसर अशोक बनर्जी ने भी विचार रखे।

डॉ. छाबड़ा बनी चेयरमैन

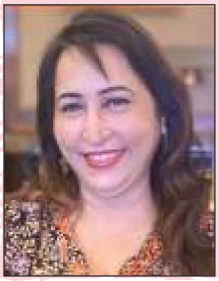

उदयपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्स 3056 की वर्ष 2024-25 की प्रांतपाल राखी गुप्ता ने रोटरी क्लब मीरा की पूर्वाध्यक्ष डॉ. स्वीटी छाबड़ा को ब्यूटी एण्ड एरोमा थैरेपी की डिस्ट्रिक्ट कमेटी की चेयरमैन मनोनीत किया है।

देश सेवा के लिए किया प्रेरित

उदयपुर। एमडीएस सीनियर सैकंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मेजर जनरल जी.डी. बख्शी ने अपनी जीवन के साहसिक अनुभवों को साझा किया। टेक्नो एनजेआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और एमडीएस सीनियर सैकण्डरी स्कूल के टॉक शो में मेजर जनरल बख्शी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के जवाब दिए एवं सेना में शामिल होने और देश की सेवा के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने सेना में सेवा के दौरान हुए रोमांचक अनुभवों को साझा किया। एमडीएस के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमानी ने मेजर जनरल बख्शी एवं टेक्नो एनजेआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का आभार व्यक्त किया।

अष्टम पुण्यतिथि

जन्म
2 फरवरी, 1931

देवलोक
30 जनवरी, 2016

युग पुरूष एवं जन-जन के प्रेरणा स्रोत

पं. जीवतराम शर्मा (बाबूजी)

संस्थापक - राजस्थान बाल कल्याण समिति

की अष्टम पुण्यतिथि पर हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत

गिरजा शंकर शर्मा, प्रबन्ध निदेशक

राजस्थान बाल कल्याण समिति परिवार

E-mail : jhadolrbks1@rediffmail.com I website : www.rbks.org

राजस्थान बाल कल्याण झाड़ोल द्वारा संचालित प्रकल्प

क्रम	विद्यालय प्रकल्प	क्रम	महाविद्यालय/उच्च शिक्षा प्रकल्प
1	रा.बा.वि.म. सीनियर सैकण्डरी विद्यालय, झाड़ोल	1	जे.आर. शर्मा पी.जी. महाविद्यालय, झाड़ोल
2	रा.बा.वि.म. उच्च प्राथमिक विद्यालय, झाड़ोल	2	गुरू पुष्कर जैन महाविद्यालय, झाड़ोल
3	रा.बा.वि.म. उच्च प्राथमिक विद्यालय, गोराणा	3	जे.आर. महाविद्यालय, रेलमगरा, राजसमन्द
4	राजस्थान पब्लिक मा.वि., झाड़ोल	4	जे.आर. महाविद्यालय, पिण्डवाड़ा, सिरोही
5	शैक्षणिक परिसर सीनियर सैकण्डरी विद्यालय, बीड़ा	5	जे.आर. बी.एड महाविद्यालय, झाड़ोल
6	हुनर घर उच्च प्राथमिक वि. बाघेल, कोटड़ा	6	जे.आर. शर्मा महाविद्यालय, ऋषभदेव, उदयपुर
7	ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम संस्था कार्यक्षेत्र	7	जे.आर. महाविद्यालय, माउण्ट आबू, सिरोही
8	शिशु पालना गृह एवं बालवाड़ी कार्यक्षेत्र	8	जे.आर. नर्सिंग संस्थान, सागवाड़ा, डूंगरपुर
9	हिंदुजा फाउंडेशन स्कूल शिक्षा कार्यक्रम	9	जे.आर. शर्मा पी जी महाविद्यालय, फलासिया
10	जे.आर.शर्मा कौशल विकास कार्यक्रम	10	जे. आर. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, झाड़ोल
11	जे.आ. शर्मा छात्रवृत्ति कार्यक्रम	11	जे. आर. पी जी महाविद्यालय, प्रतापगढ़
12	विद्यालय विकास कार्यक्रम	12	जे. आर. कॉलेज, उदयपुर
13	बाल कल्याण शिक्षा कार्यक्रम	13	जे.आर. शर्मा पत्राचार एवं स्वयंपाठी शिक्षण कार्यक्रम
14	विद्यालय कम्प्यूटर शिक्षा कार्यक्रम	14	हिंदुजा फाउंडेशन उच्च शिक्षा कार्यक्रम

आवासीय शिक्षा प्रकल्प

1	अनु.जनजाति कन्या छात्रावास-प्रथम इकाई झाड़ोल, उदयपुर	10	जे.आर. शर्मा बी.एड महिला छात्रावास झाड़ोल, उदयपुर
2	अनु. जनजाति कन्या छात्रावास -द्वितीय इकाई, झाड़ोल, उदयपुर	11	निराश्रित बालगृह झाड़ोल, उदयपुर
3	अनु. जनजाति कन्या स्नातकोत्तर छात्रावास, झाड़ोल, उदयपुर	12	निराश्रित बालिकागृह झाड़ोल, उदयपुर
4	अनुदानित कन्या छात्रावास रेलमगरा, राजसमन्द	13	गुरूकुल बोर्डिंग हॉस्टल-बालक, झाड़ोल, उदयपुर
5	अनु. जनजाति कन्या छात्रावास-सागवाड़ा, डूंगरपुर	14	हंसराज बालिका गृह, देबारी, उदयपुर
6	अनु. जनजाति कन्या छात्रावास डूंगरपुर	15	जे. आर. शर्मा नर्सिंग हॉस्टल, सागवाड़ा, डूंगरपुर
7	शैक्षणिक परिसर आवासीय कन्या छात्रावास बीड़ा, झाड़ोल, उदयपुर	16	जे. आर. शर्मा हॉस्टल, प्रतापगढ़
8	निराश्रित बालिका गृह, सागवाड़ा, डूंगरपुर	17	कौशल विकास छात्रावास, सागवाड़ा
9	अनु. जनजाति कन्या छात्रावास, गींजवड़	18	अनु. जनजाति कन्या छात्रावास, सागवाड़ा

समस्त ग्रामीण सामुदायिक विकास इकाईयां (लाभान्वित गाँव 875)

राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गुजरात के जनजाति बाहुल्य 22 जिलों में जलग्रहण, वाड़ी परियोजना, आजीविका विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, जागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास, आय संवर्धन एवं अन्य सामाजिक उत्थान कार्यक्रम, इन्दिरा रसोई, शेल्टर होम आदि

क्रम	संस्था द्वारा स्थापित गौशालायें एवं फाउण्डेशन	क्रम	संस्था द्वारा स्थापित कम्पनीयां
1	सुरभि गौशाला धाम, बरड़ा, उदयपुर	1	बागड़ प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, डूंगरपुर
2	ब्रह्मानंद कपिल गौशाला, हंडिया, मध्यप्रदेश	2	झाड़ोल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, उदयपुर
3	जे.आर. शर्मा फाउण्डेशन, उदयपुर	3	मोरवाल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, उदयपुर
4	गोगुन्दा पॉटरी फाउण्डेशन	4	मेवाड़ पॉटरी प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
5	6 इन्दिरा रसोई उदयपुर एवं डूंगरपुर	5	2 आश्रय स्थल डूंगरपुर
6	2 शहरी आजीविका केन्द्र उदयपुर एवं जोधपुर	6	31 कृषि एवं गैर कृषि उत्पादन प्रा.लि. कम्पनीज

प्रतिष्ठान

ऋषिराज एण्ड ब्रदर्स, मगवास	कमलेश्वर फर्नीचर एण्ड वेल्डिंग वर्क्स, मगवास	जे.आर. शर्मा बिल्डर्स मगवास

वातावरण में मिल रही हर साल 200 करोड़ टन धूल

हवा में मौजूद धूल और रेत एक बड़ी समस्या बन चुकी है। हर साल 200 करोड़ टन धूल और रेत हमारे वातावरण में प्रवेश कर रही है। इसके कारण हर साल लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर ऊपजाऊ जमीन नष्ट हो रही है। यूएन कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार धूल और रेत भरे तूफानों की करीब 25 फीसदी घटनाओं के लिए इंसानी गतिविधियां जिम्मेदार हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस धूल और रेत का कुल वजन गीजा के 350 महान पिरामिडों के बराबर है। धूल और रेत भरे यह अंधड़ दुनिया के कई हिस्सों में अब पहले से कहीं ज्यादा हावी हो चुके हैं, जो उत्तर और मध्य एशिया से लेकर उप-सहारा अफ्रीका तक में भारी तबाही की वजह बन रहे हैं। इनकी वजह से न केवल भूमि की उत्पादकता पर असर पड़ रहा है। साथ ही दुनिया को कृषि और आर्थिक रूप से भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

लम्बा सफर

धूल और रेत के कण का व्यास 0.05 मिलीमीटर से कम होता है, जिसके कारण इन्हें हजारों किलोमीटर तक ले जाया जा सकता है। वहीं रेतीले तूफान के कण इनसे अलग और आकार में बड़े होते हैं और कुछ किलोमीटर तक की ही यात्रा कर सकते हैं।

42 लाख वर्ग किमी उपजाऊ भूमि नष्ट

यूएनसीसीडी के आंकड़ों से पता चला है कि दुनिया में हर साल करीब 10 लाख वर्ग किमी उपजाऊ जमीन नष्ट हो रही है। 2015 से 2019 के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि, अब तक करीब 42 लाख वर्ग किमी जमीन इसकी भेंट चढ़ चुकी है, जो करीब पांच मध्य एशियाई देशों, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के कुल क्षेत्रफल के बराबर है। अस्थमा और सांस से जुड़ी अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह धूल भरी आंधियां जानलेवा साबित हो सकती हैं। ***(एजेंसी)***

जानकारी

बदल गए हैं एफडी के नियम

बैंक एफडी यानी कुछ सालों के लिए बैंक में एक निश्चित रकम को डिपोजिट करना। पहले ऐसी डिपोजिट में यानी एपफडी के एवज में बैंक आपको अधिकतम 15 लाख रूपये तक ही एफडी के मैच्योर होने के पहले दिया करते थे, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक ने इस नियम को बदल दिया है। अब ग्राहक अपनी फिक्स डिपोजिट के एवज में 1 करोड़ रूपये तक एफडी के मैच्योर होने के पहले ले सकते हैं।

दो तरह की एफडी

दो तरह की एफडी होती हैं। एक कॉलेबल और दूसरी नॉन कॉलेबल। नॉन कॉलेबल एफडी का मतलब होता है कि आप उसके मैच्योर होने के पहले बैंक से पैसे नहीं निकाल सकते। जबकि कॉलेबल एफडी में खाताधारक फिक्स की गई राशि के एवज में एक निश्चित राशि निकाल सकते हैं या अपनी एफडी कभी भी तुड़वा सकते हैं। ऐसी एफडी कॉलेबल एफडी कहलाती है। हालांकि इस एफडी में भी मैच्योरिटी से पहले रकम निकालने पर बैंक आपसे इसका हजार्ना या कहें जुर्माना वसूलते हैं। लेकिन कॉल करने योग्य एफडी में कोई लॉकिंग अवधि नहीं होती। इसलिए मजबूरी में आप इसका एक हिस्सा या पूरी एफडी की राशि बैंक से निकाल सकते हैं।

नॉन कॉलेबल एफडी

यह ऐसी एफडी होती है, जिसमें आप उसके मैच्योर होने के पहले किसी भी कीमत पर पैसा नहीं निकाल सकते, बशर्ते कुछ ऐसी स्थितियां न हो गई हों। मसलन-आप दीवालिया घोषित हो गये हों। एफडी कराने वाले शख्स की मृत्यु हो गई हो। इन परिस्थितियों में नॉन कॉलेबल एफडी से भी पैसे निकाले जा सकते हैं। नॉन कॉलेबल एफडी पर सामान्य एफडी से ज्यादा पैसा इसीलिए मिलता है, क्योंकि तय अवधि तक के लिए इस एफडी में पैसा ब्लॉक रहता है।

-प्रभाकांत कश्यप

श्रम और समर्पण से सफलता

मनुष्य के जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जो उन्हें एक नए ही मुकाम पर ला देती है। यदि व्यक्ति उन अवसरों को समझते हुए उनका उपयोग जीवन को बहुपयोगी और बहुआयामी बनाने के लिए आगे बढ़ता है, तो निश्चित रूप से सफलता के सोपान चढ़ता है। जिंदगी नए उत्साह और उमंग से भर उठती है। ये अवसर समय प्रबंधन को लेकर हो सकते हैं, रोजगार की बुनियादी शुरुआत को लेकर हो सकते हैं अथवा जहां आप इस समय हैं, वहीं आपका कार्य और व्यवहार आपको शिखर की ओर बढ़ने का संकेत कर सकता है। इस संबंध में पिछले दिनों उदयपुर की तीन बहुमुखी शख्सियतों से 'प्रत्यूष' ने भेंट की। प्रस्तुत है उनके इंस्पायर करने वाले विचार। *प्रस्तुतिः राजवीर*

काम वहीं करें जिससे मन को खुशी मिले

सीए की डिग्री के बाद अच्छे पैकेज के साथ जॉब लगी तो लगा कि सारे सपने सच हो गए, लेकिन वो खुशी महसूस नहीं हुई जिसकी मुझे तलाश थी। लगा कि ये वो चीज ही नहीं है जो मैं पूरी जिंदगी करना चाहता हूं। अभाव में अपनी एजुकेशन पूरी की थी तो हमेशा लगता था कि मेरी तरह ऐसे और बच्चों को संसाधन की कमी न पड़े। जॉब छोड़कर नए सफर की शुरुआत की और इसी निर्णय ने मेरी जिंदगी बदल दी।

राहुल बड़ाला,
निदेशक, बड़ाला क्लासेज

विद्यार्थी जीवन से ही काम को प्राथमिकता दी

दोस्ती–यारी अपनी जगह है और काम अपनी जगह है। ये बात मुझे ग्रेजुएशन के दिनों में समझ आई। इसी के बाद से मैंने अपनी लाइफ को बैलेंस करना सीखा। यही बात मेरी लाइफ में सबसे ज्यादा इंस्पायरिंग है। चूंकि मैं एक ऐसे बिजनेस से जुड़ा हूं जहां हर दिन लोगों से मिलता हूं। मेरे साथ काम कर रह रहे हर व्यक्ति को उतनी ही तवज्जो देता हूं। अपने पिता से ही इस बात को सीखा और जीवन में उतारा।

गुरप्रीत सिंह सोनी,
मिनरल्स उद्यमी

पिता को खूब मेहनत करते देख मिली प्रेरणा

एजुकेशन मेरे लिए सबसे इंपोर्टेंट है। मुझे एक ही चीज सबसे अलग खड़ा करती है। जब से मैंने होश संभाला है तब से शायद ही कभी ऐसा होगा कि मैंने उगता हुआ सूरज नहीं देखा। अपने पिता को खूब मेहनत करते देखा है। वहीं से मैंनी सीखा कि सक्सेस का कोई शॉर्टकट नहीं है। 25 साल तक खूब मेहनत कर पढ़ाई कर ली तो पूरी लाइफ अच्छा से बितेगी। यही एक मूल मंत्र मेरी लाइफ चेंजिंग का कारण बना है।

महेंद्र सोजतिया,
आभूषण एवं रत्न उद्यमी

पाठक पीठ

'प्रत्यूष' के दिसम्बर अंक में खूब सारी जानकारियां ऐसी थीं, जो प्रत्येक व्यक्ति–परिवार के लिए उपयोगी हैं। ब्रेन स्ट्रोक, सडन कार्डिएक अरेस्ट, प्रोस्टेट की समस्या, मन से मुक्ति आदि आलेख व्यक्ति को मर्यादित–संयमित जीवन का संदेश देते हैं और सावधान भी करते हैं।

दिलीप मूंदड़ा, सीएमडी, मूंदड़ा डवलपर्स एंड बिल्डर्स

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी जी की जयंती पर एन.के सिंह का आलेख अच्छा लगा। राजनेताओं को इसी फ्रेम में होना चाहिए। राजनीति देश सेवा का माध्यम है,अफसोस कि इसे दलीय दलदल बना दिया गया है। पार्टी और परिवार के आगे देशहित गौण होता जा रहा है।

मोहित मूंदड़ा, डायरेक्टर, मूंदड़ा डवलपर्स एंड बिल्डर्स

दिसम्बर अंक के सम्पादकीय में भूजल के अंधाधुंध दोहन को लेकर जो चिंता व्यक्त की गई है, वह गंभीर है। इस सम्बंध में जब संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित है तो हमें बेपरवाह नहीं होना चाहिए। भूजल के अनाप–शनाप दोहन को तो रोकना ही है, पानी के दुरूपयोग से भी बचना होगा।

रवि मूंदड़ा, डायरेक्टर, मूंदड़ा डवलपर्स एंड बिल्डर्स

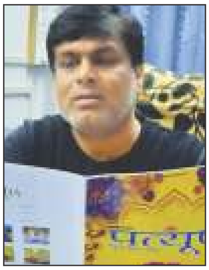

'प्रत्यूष' के दिसम्बर अंक में माननीय अटलजी, गुरू तेगबहादुर जी व प्रभुयीशू के आलेख प्रेरणास्पद थे। इन महापुरूषों के मानवतावादी सिद्धान्तों और आचरण को हमें समझना होगा। परस्पर सद्भाव सहयोग और प्रेम से ही परिवार, समाज राष्ट्र और विश्व में शांति कायम रह सकती है।

जितेन्द्र ईनाणी,उद्योगपति

30 साल बाद प्रदेश को मिला नया सीएम चेहरा, जेडपीएम ने छिनी कांग्रेस व मिजो नेशनल फ्रंट से सत्ता

तीसरे दल को 'पावर'

सुवालाल जांगू

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम के विधानसभा चुनाव के नतीजों में सत्ताधारी दल मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हार का सामना करना पड़ा। सीएम जोरमथंगा और डिप्टी सीएम तॉनलुइया समेत कई मंत्री हार गए। 40 सदस्यों वाली विधानसभा में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने 27 सीटों पर कब्जा कर शानदार जीत दर्ज की। एमएनएफ 10 सीटों पर सिमट गई। भाजपा को दो, जबकि कांग्रेस को एक सीट पर जीत मिली। मिजोरम की सत्ता 1984 के बाद से कांग्रेस और एमएनएफ के बीच घूम रही थी। कांग्रेस के लालथनहवला और एमएनएफ के जोरमथंगा बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनते रहे। इस बार राज्य की जनता को लालदुहोमा के रूप में मिजोरम को नया सीएम मिला है।

मिजोरम : किसको कितनी सीटें

कुल सीटें : 40 बहुमत : 21

पार्टी	2023	2018
जेडपीएम	27	08
एमएनएफ	10	27
भाजपा	02	01
कांग्रेस	01	04

नए मुख्यमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी थे

नव निर्वाचित मुख्यमंत्री एवं जेडपीएम के नेता पूर्व आइपीएस अधिकारी लालदुहोमा (74) कभी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी थे। बाद में वह राजनीति में आए। वह 1988 में दलबदल विरोधी कानून के तहत लोकसभा से अयोग्य घोषित होने वाले पहले सांसद थे। नवंबर 2020 में मिजोरम विधानसभा से अयोग्य घोषित होने वाले पहले विधायक भी बने। जेडपीएम का गठन 6 क्षेत्रीय दलों के गठबंधन के रूप में किया गया था। लालदुहोमा ने चुनाव प्रचार के दौरान जोरमथंगा की नीतियों में बदलाव का वादा किया। उनका आरोप है कि इन नीतियों से मिजोरम का विकास रुका है। राज्य में 34 साल के इतिहास में पहली बार 3 महिला एमएलए चुनी गई हैं। हालांकि 2014 में एक उपचुनाव में कांग्रेस की महिला प्रत्याशी ने जीत दर्ज कर विधानसभा में प्रवेश किया था। इस बार एक रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल, एक प्रोफेसर और एक फुटबॉल खिलाड़ी भी जेडपीएम पार्टी से चुनाव जीते हैं। जेडपीएम ने पहली बार सत्तारूढ़ होकर मिजोरम की राजनीति में महत्वपूर्ण इतिहास रच दिया है। कांग्रेस को नुकसान हुआ है, तो भाजपा को फायदा हुआ है। नए मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मीडिया से बातचीत में भ्रष्टाचार के मामले में शून्य सहनशीलता बरतने, वित्तीय सुधार लाने, राज्य में संतुलित विकास करने और भ्रष्टाचार के मामलों की सीबीआइ की जांच को उनकी मुख्य प्रार्थमिकता बताया है।

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारी पूज्यनीया

श्रीमती वरजू बाई

निधन 5 दिसम्बर 2021

(धर्मपत्नी स्व. श्री दल्ला जी डांगी) की *द्वितीय पुण्यतिथि* पर हम सभी परिवारजन ***हार्दिक श्रद्धासुमन*** अर्पित करते हैं।

आपके आदर्श और मार्गदर्शन ही हमारे प्रेरणा स्रोत हैं,
आपका आशीर्वाद एवं पुण्य स्मरण हमारी शक्ति है,
आपके दिव्य चरणों में शत्-शत् नमन्।

शोकाकुल

*कमल डांगी–अम्बाबाई **(पुत्र–पुत्रवधू)**, भागुबाई–भैरूलालजी, जीवा बाई–हीरालाल, वसीबाई–खेमराज जी **(पुत्री–दामाद)**, रमेश–दुर्गा, दिनेश–इन्द्रा **(पौत्र–पौत्रवधू)**, सुशीला–मोहनजी **(पौत्री–पौत्री दामाद)**, भव्या, रिव्या **(पड़पौत्री)**, जतिन, भाविन (गल्लू) **(पड़पौत्र)** एवं **समस्त डांगी (काई) परिवार एवं स्टाफगण।***

फर्म

होटल वरजू विला | अनुश्री वाटिका

कांग्रेस की गलतियां बनी भाजपा की रणनीति

■ टिकट वितरण में देरी और गुटबाजी का नुकसान ■ आदिवासी नेता विष्णु देव ने संभाली कमान ■ डॉ. रमनसिंह बने स्पीकर, अरुण साव व विजय शर्मा ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

मनीष गुप्ता

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक चौंकाने वाले नतीजे छत्तीसगढ़ से सामने आए हैं। यहां पांच साल पहले 2018 में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 68 सीट के साथ प्रचंड जीत दर्ज की थी। अब जब 2023 में चुनाव हुए तो कांग्रेस अपनी लोकप्रियता बरकरार नहीं रख पाई और मतदाओं ने कांग्रेस को 35 सीटों पर समेटकर सत्ता से बेदखल कर दिया।

कांग्रेस के इस खराब प्रदर्शन का किसी को अंदाजा नहीं था। वहीं 15 सीटों वाली भाजपा ने अपनी धमकदार वापसी से सभी को चौंका दिया। भाजपा ने यहां मुख्यमंत्री के चयन को लेकर भी चौंकाया है। यहां प्रमुख आदिवासी नेता व संघ तथा पार्टी के प्रति पूरी तरह समर्पित अनुभवी विष्णुदेव साय को सरकार की कमान सौंपी गई है। उन्होंने दो उपमुख्यमंत्रियों भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साय व विधायक विजय शर्मा के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनकी पहली घोषणा राज्य के 18 लाख गरीब लोगों को आवास उपलब्ध कराना है। तीन बार मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमनसिंह विधानसभा के स्पीकार होंगे।

छत्तीसगढ़ — बहुमत 46 | सीटें 90

भाजपा को पहली बार 50+ सीटें

भाजपा	कांग्रेस	अन्य
54 (+39)	35 (-33)	1 (-6)
2018 में 15 सीटें	2018 में 68 सीटें	2018 में 7 सीटें
वोट शेयर 46.3 प्रतिशत	वोट शेयर 42.3 प्रतिशत	वोट शेयर 11.4 प्रतिशत
2018 में 33 प्रतिशत	2018 में 43 प्रतिशत	2018 में 24 प्रतिशत

राज्य के दो बड़े आदिवासी बहुल इलाकों में कांग्रेस को करारी शिकस्त मिली है। सरगुजा संभाग की पूरी 14 सीटों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। वहीं बस्तर की 12 में से आठ सीटों पर कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। प्रदेश के मैदानी इलाकों में भी कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ। प्रदेश की राजधानी रायपुर की चारों सीटें कांग्रेस हार गई। वहीं रायपुर ग्रामीण की तीन सीटें भी कांग्रेस के हाथ से निकल गई। प्रदेश में कांग्रेस के नौ कद्दावर मंत्रियों को भी हार का सामना

करना पड़ा हैं। इनमें प्रमुख नाम डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव का है। वे महज 94 वोटों से अंबिकापुर से हार गए। वहीं वन मंत्री मोहम्मद अकबर, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और कृषि मंत्री रविंद्र चौबे समेत नौ मंत्रियों को करारी हार का सामना करना पड़ा। इन मंत्रियों की हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि इनके कामकाज से जनता नाराज थी। पांच साल तक और चुनाव आने के दौरान भी कांग्रेस कर्जमाफी पर जोर देती रही। उसने बाकी वर्गों को लेकर कोई बड़ी घोषणा नहीं की। इस बात से किसानों के अलावा बाकी लोगों में नाराजगी थी। जब नतीजे आए तो यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस का किसानों के लिए खेला गया कार्ड उस पर ही भारी पड़ गया। पांच साल के शासनकाल में कांग्रेस सरकार में हुए घोटाले भी उसे भारी पड़े। धर्मांतरण का मुद्दा आदिवासी इलाकों में भाजपा के लिए फायदेमंद और कांग्रेस के लिए नुकसान पहुंचाने वाला साबित हुआ। भाजपा की महतारी वंदन योजना भी गेमचेंजर साबित हुई।

बेरोजगारी-भ्रष्टाचार के मुद्दे भारी पड़े

चुनाव पूर्व आकलनों को गलत साबित करते हुए छत्तीसगढ़ में भाजपा ने बहुमत के साथ कांग्रेस से सत्ता छीन ली। सीएम भूपेश बघेल की योजनाओं और भावनात्मक मुद्दों पर भाजपा के भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महादेव एप के मुद्दे और महतारी योजना जैसे वादे भारी पड़े। मोदी की गारंटी पर विश्वास और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति के चलते कांग्रेस कहीं नही टिकी।

बघेल के 11 में से 8 मंत्री सीट नहीं बचा पाए

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 19,723 वोट से जीते। भाजपा के 4 में से 3 सांसद जीते। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत राज्य के 8 मंत्री (कुल 11 थे) हारे।

संघ से जुड़े व अनुभवी आदिवासी नेता हैं साय

रायपुर. छत्तीसगढ़ के जसपुर जिले के छोटे से गांव बगिया के पंच और निर्विरोध सरपंच से लेकर केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री पद पर पहुंचे विष्णदेव साय बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े हैं। गोंड जनजाति के किसान परिवार को साय प्रदेश में 33 फीसदी आदिवासी आबादी के भाजपा के चेहरे हैं। वह अविभाजित मध्यप्रदेश में भी विधायक रहे और छत्तीसगढ़ में भी। वर्ष 1999 से 2014 तक लगातार चार बार रायगढ़ से भाजपा के लोकसभा सांसद रहे। 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार में उन्होंने इस्पात और खनिज राज्य मंत्री का जिम्मा संभाला।

कुम्भलगढ़ उत्सव: घूमर, चकरी, सहरिया स्वांग और आंगी ने मोहा मन

ऐतिहासिक कुम्भलगढ़ दुर्ग के यज्ञवेदी परिसर में तीन दिवसीय कुम्भलगढ़ फेस्टिवल 3 दिसम्बर को राजस्थानी विधाओं पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। इस फेस्टिवल ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों का मन मोह लिया। राजसमंद जिला प्रशासन तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित फेस्टिवल के प्रथम दिन राज्य के विभिन्न शहरों व कस्बों से आये कलाकारों ने घूमर नृत्य, चकरी, सहरिया स्वांग, कच्छी घोड़ी, लाल आंगी गैर, मांगणियार, बांकिया वादन, बेहरूपिया, चंग के साथ तेरहताल, भवई नृत्य की प्रस्तुतियों ने ऐसा समा बांधा की कलाकारों के संग पर्यटक भी ठुमके लगाने लगे। फेस्टिवल का उद्घाटन उपखण्ड अधिकारी जयपाल सिंह राठौड़ व पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना ने दीप प्रज्वलन और ढोल की थाप पर किया। इस अवसर पर जितेन्द्र माली, विवेक जोशी, कुबेर सिंह सोलंकी व पृथ्वी सिंह झाला भी उपस्थित थे। देऊ खान मांगणियार ने गणपती वंदना और विजय भट्ट ने आकर्षक कच्छी घोड़ी नृत्य पेश किया। संस्कृतिक प्रस्तुतियो के आरंभ में 'आवो जी पधारों म्हारे देस' गीत की प्रस्तुति दी गई। फेस्टिवल के दूसरे दिन बाड़मेर के लंगा गायक देऊ खान मांगणियार की निंबुड़ा-निंबुड़ा, दमादम मस्त कलन्दर, 'काल्यो कूद पड्यो मेला' में सहित एक से एक बढ़कर प्रस्तुतियों ने वातावरण में राजस्थानी गीतों और परंपराओं की खुशबू बिखेर दी। इससे पूर्व उदयपुर की वन्दना और विजय भट्ट ने आकर्षक कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। बाड़मेर के पारस लाल का आंगी गैर नृत्य प्रमुख आकर्षण रहा। किशनगढ़ के वीरेन्द्र सिंह की घूमर, बारां के शिवनारायण के चकरी नृत्य और गोपाल धानुक के सहरिया स्वांग व बाड़मेर के तगाराम के सफेद आंगी गैर नृत्य ने पर्यटकों का भरपूर मनोरंजन किया। इसी तरह चित्तौड़गढ़ के बहुरूपियों ने भी विभिन्न भेष बनाकर खूब हंसाया। चुरू के सुरेश कुमार के चंग नृत्य, जोधपुर के पारसनाथ के कालबेलिया नृत्य पर लोगों ने जमकर ठुमके लगाए। गोगुंदा के धनदास और समीचा के जीवनदास के तेरह ताली नृत्य ने भी खूब समा बांधा। फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन भी उक्त कलाकारों ने अपने-अपने अंचल के गीत व नृत्य प्रस्तुत किए। कलाकारों को पुरूस्कृत किया गया।

रिपोर्ट : अभिजय शर्मा

कुम्भलगढ़ दुर्ग का निर्माण मेवाड़ के महाराणा कुम्भा ने सन् 1459 में कराया था। इस किले को मेवाड़ की आंख कहते हैं। इसके चारों ओर 36 मी. लंबी व 7 मीटर चौड़ी दीवार है। जो चीन के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी दीवार है। इस पर चार घुड़सवार एक साथ चल सकते हैं। इस गढ़ के शीर्ष भाग में बादल महल है और उससे ऊपर कुम्भा महल है। यह दुर्ग महाराणा प्रताप की जन्मस्थली और मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी रहा है। महाराणा कुम्भा से लेकर महाराणा राजसिंह के समय तक मेवाड़ पर हुए आक्रमणों के समय राजपरिवार इसी दुर्ग में रहा । यहीं कुंवर पृथ्वीराज और राणा सांगा का बचपन बीता। इस दुर्ग के भीतर एक और गढ़ है जिसे 'कटारगढ़' कहते हैं। इस दुर्ग में महाराणा उदय सिंह का पालन-पोषण और राज्याभिषेक हुआ। इस दुर्ग में करीब 60 से अधिक हिन्दू व जैन मन्दिर हैं। दुर्ग और मन्दिरों की वास्तु एवं स्थापत्य कला दर्शनीय है। महाराणा कुंभा संगीत प्रेमी व रचनाकार भी थे।

HAPPY NEW YEAR

SPREAD SMILE WITHOUT PILES

GUJARAT PILES & GASTRO CARE CENTRE

- ✓ परामर्श
- ✓ प्रोक्टोस्कोपी
- ✓ मस्सा/पाइल्स/बवासीर
- ✓ भगंदर/नासुर/फिस्टुला
- ✓ फिशर/परिकर्तिका
- ✓ एब्सेस/मवाद/फोड़ा/व्रण/घाव
- ✓ गुद प्रदेश में खुजली, सूजन आदि का परीक्षण

लेजर उपचार का एकमात्र केन्द्र

समयः
सुबह 10.00 बजे से
सायं 7.00 बजे तक

216, Emerald Tower, Hathipole Circle,
Udaipur (Raj.) 313004 Mobile: 9314107108
Website: www.gujaratpiles.com E-mailL gujaratpiles@gmail.com

राष्ट्रपति ने किया प्रशांत अग्रवाल को सम्मानित

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विश्व दिव्यांगता दिवस पर 3 दिसम्बर को आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति श्रेणी में उन्हें यह अवार्ड दिया गया है। समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने की। राज्यमंत्री रामदास अठावले, प्रतिमा भौमिक एवं ए. नारायण स्वामी तथा प्रशांत अग्रवाल की धर्मपत्नी वंदना अग्रवाल व पुत्री सुश्री पलक भी उपस्थित थीं। उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह पुरस्कार व्यक्तिगत श्रेणी में ही नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव एवं संस्थागत श्रेणी में नारायण सेवा संस्थान को भी प्राप्त हो चुका है। दिव्यांगों के कल्याणार्थ निस्वार्थ भाव से बेमिसाल सेवाओं के लिए अग्रवाल का चयन किया गया। उन्होंने दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए आवासीय विद्यालय, व्यवसायिक पुनर्वास केन्द्र व सहायक उपकरणों के वितरण के लिए अथक परिश्रम किया। राष्ट्रपति पुरस्कार और प्रमाण पत्र भेंटकर जब उन्हें सम्मानित कर रही थीं, सभागार में उपस्थितजनों से उनका करतल ध्वनि से अभिनंदन किया। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान उन दिव्यांग भाई-बहिनों का है, जिनके जीवन में संस्थान और उनके प्रयासों से खुशी आई। संस्थान संस्थापक चेयरमैन कैलाश मानव व सहसंस्थापिता कमला देवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा यह पुरस्कार हमें और अधिक कर्तव्यनिष्ठा व नम्रतापूर्वक सेवा करने की प्रेरणा देगा।

168, Bhamashah Marg, Khokhawat Building, Udaipur - 313 001 (Raj.)
0294-2421129, khokhawatarjun@gmail.com, khokhawattent@gmail.com

Dheeraj Doshi

MEMBER
Hotel Association,
Udaipur

Happy New Year

Hotel
Darshan Palace

UIT Circle, Saheli Marg, Udaipur 313001 (Raj.)
Phone : (0294) 2425679, 2427364, E-mail : dhiru58364@rediffmail.com
website: www.hoteldarshanpalaceudaipur.com

प्रत्यूष

पतंग के साथ तिल की मिठास

मकर संक्राति पर हर घर में तिल के विशेष व्यंजन बनाने की परम्परा रही है। इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भरा रहता है। आपके हाथ में भी पतंग की डोर के साथ मुंह में तिल की मिठास हो तो कहना ही क्या!

अर्चना सोगानी

तिल-मेवा बर्फी

सामग्री: 5 कटोरी तिल सिकी व दरदरी पिसी, 4 कटोरी चीनी, डेढ़ कटोरी मेवा (किशमिश, बादाम, काजू, पिस्ता) बारीक कटा, डेढ़ कटोरी मावा, डेढ़ टी स्पून इलायची पावडर, केसर के 40–50 रेशे केवड़ा जल या गुलाब जल में भीगे हुए।

विधि: आंच पर एक कड़ाही में मावा हल्का सा सेंक ले व चीनी मिलाएं। अब मावे को पुनः सेंके ताकि चीनी अच्छी तरह घुल मिलकर मावे में मिल सके। मिक्स मेवे, इलायची पाउडर, केसर मिलाएं। गाढ़ा होने पर घी लगी ट्रे में मिश्रण पलटें व एकसार कर दें। तिल की मेवा बर्फी तैयार है। खाएं और खिलाएं भी।

तिल के शाही लड्डू

सामग्री: तिल 750 ग्राम, कंडेस्ड मिल्क डेढ़ टिन, किशमिश 75 ग्राम, 75 ग्राम काजू, 50 ग्राम बादाम, 30 ग्राम चारोली, 2 अखरोट मोटा दरदरा कूटा, डेढ़ कटोरी नारियल किसा हुआ, डेढ़ कटोरी पिसी चीनी, इलायची पावडर डेढ़ टी स्पून।

विधि: सबसे पहले आंच पर एक कड़ाही में तिल को सेंक लें। कंडेरूड मिल्क में सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर गोल–गोल लड्डू बना लें। लड्डू को 15–20 मिनट फ्रिज में रखे, फिर खाएं और खिलाएं।

तिल काजू

सामग्री: 500 ग्राम तिल, 500 ग्राम चीनी, डेढ़ कप कटे हुए काजू, 6 बड़ी इलायची के दानें, बेकिंग पाउडर व रोज एसेंस अपने अन्दाज से।

विधि : सबसे पहले एक कड़ाही में तिल को भूनकर ठण्डा करके दरदरा पीस लें। चीनी की तीन तार की चाशनी बनाकर बेकिंग पाउडर, तिल काजू, इलायची व रोज एसेंस मिलाएं तथा घी लगी थाली में डाल दे, फैला दें। तिल–काजू मिठाई तैयार है।

तिल गुझिया

सामग्री: 200 ग्राम भुनी व दरदरी तिल, 100 ग्राम चारोली, 100 ग्राम नारियल बूरा, 500 ग्राम चीनी, एक किलो मैदा, इलायची पाउडर 1 टी स्पून, घी अन्दाज से।

विधि: सबसे पहले चीनी को पीसकर, इसमें तिल, नारियल बूरा, चारोली, इलायची सभी को मिला लें। मैदे को छान लें व 2 बड़े चम्मच घी का मोयन देकर पुड़ी के आटे जैसा गूंथ लें। छोटी–छोटी पूड़ी बेलें। भरवा भरें व गुझिया तैयार कर लें। अब घी गर्म करें। धीमी आंच पर गुझिया हल्की भूरी होने तक तलें। तलने के उपरांत निकालकर पेश करें।

शहद भरी तिल

सामग्री: 1 कटोरी तिल, 1 कप शहद, ढाई कटोरी मैदा, सवा कप पिसी चीनी, 1 टी स्पून बेकिंग पाउडर व दूध अन्दाज से।

विधि: सबसे पहले तिल व शहद मिलाकर मिक्सी में पीस लें। मैदा व बेकिंग पाउडर छान लें। थोड़ा सा मीठा तेल, तिल पेस्ट, चीनी मिला लें व दूध की छीटें देकर सख्त गूंथ ले। 20 मिनट तक इस मिश्रण को फ्रिज में रखे, इस मिश्रण को पुनः गूंथकर मोटी–मोटी रोटी बेल लें। ऊपर से तिल छड़क लें, फिर इसके अपने पसन्द के पीस कर के ओवन में 15 मिनट तक बेक करें। शहद वाली तिल तैयार है। खाएं और खिलाएं भी।

With Best Compliments from

KUSHAL GAS AGENCIES

- Reliance Gas Distributor
- Govt./Institutional Medicine Supplier
- Super Distributor Otsuka Pharmaceutical India Pvt. Ltd,
- C & F Hindustan Colas Pvt. Ltd.

Shop No.-2,
302, Shubh Apartment,
99, Bhupalpura, Udaipur
Mob. No. - 9414166123

KUSHAL Distributors

- Pharmaceutical Stockist of fresssenius, Abbott, Sanofi, Troikaa Talent India, Gland Abaris, Ind. Swit, Otsuka, Macleods Medley, Overseas, TPL, Inven
- Govt./Institutional Supplier

10-11, 13-14, Mahaveer Complex, 5-C Madhuban, Udaipur
Mob. No. – 9414165123

KUSHAL Enterprises

- Product Promoter - Reliance HSD & LDO (Industrial Marketing Division)
- Product Promoter - Valvoline Lube (Industrial Marketing Division)
- Service Provider for Bitumen

Shop. No.-1,
302, Shubh Appartment
99, Bhupalpura, Udaipur
Mob.No. – 8003566333

KUSHAL Solutions

Stockist & Hospital Supplier of
- Johnson & Johnson
- LEPU
- Nephrological Product

413, Shreenath Plaza
Opp.- M.B. Govt. Hospital
Udaipur
Mob. No. - 8290800888

पं. शोभालाल शर्मा

जानिए, कैसा रहेगा नया वर्ष आपके लिए!

मेष

इस वर्ष की ग्रह रचना एवं दिनमान शुभ संचारक हैं। हालांकि आकस्मिक व्यय का अधिभार रहने की संभावना है। अपनी योग्यता, प्रतिभा और कला का प्रदर्शन करने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। राज नेताओं, राज्य कार्मिकों, विद्यार्थियों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में काम करने वालों के लिए यश व सम्पदा प्रदायक वर्ष होगा। वर्ष के आरंभ में आर्थिक स्थिति मज़बूत रहेगी। बचत को लेकर परेशानी कम होगी और व्यापार अथवा अन्य लाभकारी पॉलिसियों में निवेश करेंगे। व्यापारिक यात्राओं से भी लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। विवाह योग्य जातकों के लिए अप्रेल से सम्बंध प्रस्ताव मिलने लगेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले इस राशि के जातकों के लिए यह साल शुभ रहेगा। विदेश में यदि आप कॅरियर बनाने के इच्छुक हैं तो मई से पहले–पहले प्रयास करने चाहिए। स्वास्थ्य को लेकर इस वर्ष थोड़ा सावधान ही रहें। शुरूआती तीन माह तो स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य हैं, लेकिन इसके बाद समस्याएं आ सकती हैं। यदि किसी दीर्घकालिक रोग से पीड़ित हैं तो जून से समस्या बढ़ सकती है। इस वर्ष आपकी राशि में चन्द्रमा गुरू गजकेसरी योग बना सकता है। इसमें बुध की भी प्रतियुति होने से दैनिक जीवन में कठिनाई का अनुभव जरूर होगा, धैर्य से काम लेंगे तो सफलता भी मिलेगी।

वृषभ

इस राशि में चन्द्रमा लग्नस्थ उच्च स्थिति में पंचम भाव के कन्या राशि में, केतु दशम भाव में, कुंभ राशि के अन्तर्गत मंगल–शनि की युति लाभ भाव में, तीन राशि गत सूर्य, शुक्र, राहु की प्रतियुति तथा व्यय भाव में मंगल की राशि मेष में, बुध–गुरू की युति के कारण यह वर्ष शुभाशुभ फलदायी है। हालांकि वर्षारंभ में आपकी राशि पर बुध–गुरू के प्रभाव से स्वास्थ्य सम्बंधी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। इसमें काफी व्यय हो सकता है। शेयर बज़ार और म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभ हो सकता है, निवेश से पूर्व अच्छी तरह विचार करें। जून से सितम्बर के बीच कुछ आर्थिक परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। पारिवारिक एवं दाम्पत्य जीवन में शुभ समाचार की संभावना है। कोई महत्वपूर्ण कार्य बहुत सोच–विचार कर करें, कुछ गलतियों के कारण आप आलोचना के पात्र भी बन सकते हैं। विवाह योग्य जातकों की चिंताएं दूर होंगी। रचनात्मक क्षमता का विकास होगा। किसी नए स्टार्टअप की शुरूआत भी कर सकते हैं। छल, झूठ और कपट से दूर रहने में ही हित है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष के दो अन्तिम माह भी ठीक नहीं हैं। योग और व्यायाम करें। परिवार में मांगलिक कार्यों में खर्च विशेष होगा। भूमि, भवन वाहन आदि के क्रय में सफल होंगे, सत्संग से लाभ होगा।

मिथुन

सिंह राशि का चंद्रमा पराक्रम भाव में, कन्या राशि का केतु चौथे स्थान में, वृश्चिक राशि का बुध व शुक्र छठे स्थान में, धन राशि का सूर्य व मंगल सांतवें स्थान में, कुंभ राशि का शनि दसवें स्थान में, मीन राशि का राहू लाभ स्थान में व मेष राशि का गुरू बारहवें स्थान में भ्रमणशील रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ ठीक–ठीक रहेगा। पारिवारिक दृष्टि से यह साल आपके लिए उत्तम है। मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। संतान पक्ष भी सुखद व सन्तोष जनक स्थिति में है। कुछ चिंताएं रहेंगी लेकिन अप्रेल के बाद उनमें एकाएक सुधार होगा। विवाह योग्य युवक–युवतियों के सम्बंध तय होने की स्थितियां बनेंगी। नौकरी व व्यवसाय में मिला जुला असर रहेगा। नौकरी करने वालों को मान–सम्मान मिलेगा। व्यापार में लगातार प्रयास से ही सफलता मिलेगी। कर्ज से मुक्ति के योग हैं। पूंजी निवेश का अच्छा लाभ होगा, किन्तु पूरी तरह सोच समझकर ही आगे बढ़ें। विद्यार्थी वर्ग के लिए भी वर्ष अच्छा है। इस वर्ष यात्रा के योग भी हैं। भूमि, भवन, वाहनादि के क्रय के योग भी हैं। तकनीकी शिक्षा में डिग्रीधारियों को जॉब में बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं।

कर्क

इस वर्ष आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पैतृक समस्याओं से थोड़ी परेशानी संभव है। प्रारंभिक तीन माह धन लाभ की दृष्टि से श्रेष्ठ हैं। व्यवसाय से लाभ होगा और नये काम की परियोजना को भी विचार कर आगे बढा सकते हैं। नव विवाहिताओं को ससुराल में सन्तुलन बिठाने में समझदारी से काम लेना होगा। शनि की ढैया चल रही है। इस राशि में चन्द्रमा लग्नस्थ, केतु तृतीय भाव में कन्या राशि में अष्टम भाव में मंगल–शनि की युति शुभाशुभ कारक होने से स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव चलता रहेगा। हालांकि आत्मबल के कारण ज्यादा परेशानी नहीं होगी, फिर भी समय पर उपचार लें। दाम्पत्य जीवन में कभी–कभार गलत फहमियों से वातावरण भारी रहेगा, लेकिन स्वत: सामान्य भी हो जाएगा। संतान पक्ष की ओर से विवाह, रोजगार व शिक्षा सम्बंधी चिन्ताएं दूर होंगी। नौकरी पेशा हैं, तो अपनी दक्षता से अधिकारियों को प्रभावित करेंगे। उनसे सम्मान मिलेगा। अवसरवादी मित्रों की पहचान कर उनसे दूर ही रहें तो ठीक होगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में शनि–मंगल की युति अष्टम भाव में होने से अचानक कानूनी पचड़े, दुर्घटना अथवा विरोधियों की ओर से अप्रिय स्थिति सामने आ सकती है। किसी भी विवाद में अनावश्यक हस्तक्षेप से दूर रहें।

सिंह

वर्ष का प्रारंभ शुभ है। शुभ कार्यों का आयोजन होगा। पारिवारिक जीवन भी सुखद् रहेगा। अहंकार से बचें, अन्यथा कुछ रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। फिजूल खर्च व प्रदर्शन से भी बचें। नौकरी पेशा लोगों को पदोन्नति सम्बंधी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। अविवाहितों के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध खुशी देने वाला है। चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत जातकों के लिए वर्ष बेहद सुखदायी है। अक्टूबर के बाद किसी भी क्षेत्र में पूंजी निवेश बहुत सोच–समझकर करें। जून से अगस्त माह तक का समय नकारात्मक है, किसी भी कार्य की सफलता के लिए परिश्रम सार्थक ही होगा, ऐसा नहीं कहा जा सकता। वर्ष के प्रारंभ में स्वास्थ्य सम्बंधी कुछ कठिनाइयां हो सकती हैं। खानपान में सावधानी बरतें। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। विद्यार्थियों के लिए वर्ष शुभ परिणाम दायी है। पैतृक सम्पति को लेकर परेशानी संभव है। पिता से वांछित सहयोग की उम्मीद न करें तो ही ठीक रहेगा। व्यापारी वर्ग को व्यवसाय सम्बंधी यात्रा से ज्यादा लाभ होगा। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वालों को सावधान रहना होगा। राजनीति में इस राशि वालों को इस वर्ष पूर्वापेक्षा विरोध का अधिक सामना करना पड़ेगा।

कन्या

ग्रहों की चाल को देखते हुए यह वर्ष आपके लिए सुखद योगकारक है। हालांकि अन्तिम चार माह में कुछ रूकावटें आ सकती हैं। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव चलता रहेगा। वर्ष के प्रारंभ में काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। अप्रेल माह के बाद हाथ तंगी में रहेगा। जिससे कुछ काम प्रभावित हो सकते हैं। अत: पूर्व में ही कुछ बचत करें। जून के बाद समय ठीक है। धन लाभ होगा। यदि आप शेयर मार्केट से जुड़े हैं तो सावधानी पूर्वक निवेश करें। मई से अगस्त के मध्य परिवार में मांगलिक कार्य संभव है। अगस्त व सितम्बर के मध्य पारिवारिक विवाद भी हो सकता है, अतएव संयम से काम लें। निजी क्षेत्र में काम करने वाले अपना कार्यक्षेत्र बदलने पर विचार करेंगे। वित्तीय लेन–देन से जुड़े लोगों को अप्रेल के बाद सावधानी से काम करना चाहिए। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष कुछ ठीक नहीं है छोटी–मोटी बीमारियां आती–जाती रहेंगी। आहार–विहार में शुद्धता का ध्यान रखें। अक्टूबर के बाद बच्चों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दें। विदेश में कार्यरत लोगों के लिए अगस्त माह नकारात्मक होगा। धैर्य से काम लें। स्थितियां फिर सुधर जाएंगी।

तुला

तुला: वृश्चिक राशि का बुध और शुक्र धन भाव में, धनु राशि का सूर्य व मंगल पराक्रम भाव में, कुंभ राशि का शनि पांचवे स्थान में, मीन राशि का राहू छठे स्थान में, मेष राशि का गुरू सातवें स्थान में, सिंह राशि का चन्द्रमा लाभ स्थान में व कन्या राशि का केतु बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे। यह वर्ष पारिवारिक सुख–समृद्धि की दृष्टि से सामान्य है। परिवार में मेल मिलाप और सबकी सहमति से ही कोई भी बड़ा निर्णय लें। अन्यथा अशांति बनी रहेगी। माता का स्वास्थ्य सामान्य किंतु पिता के स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव चलता रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यापार में श्रम व सूझबूझ से लाभ होगा। नौकरी पेशा जातकों को स्थानान्तरण एवं पदोन्नति से खुशी मिलेगी। वरिष्ठ अधिकारी कामकाज से खुश रहेंगे। सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए भी यह वर्ष महत्वपूर्ण है। आर्थिक दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अकस्मात धन–लाभ भी संभव है। खर्च की अधिकता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए वर्ष सामान्य है। मन–वांछित परिणाम पाने के लिए बहुत–अधिक श्रम करना होगा। शत्रु पक्ष का शमन होगा। कुल मिलाकर पिछले वर्ष की अपेक्षा यह वर्ष सन्तोषदायी रहेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक: वृश्चिक राशि का बुध व शुक्र लग्न में, धनु राशि का सूर्य व मंगल धन भाव में, कुंभ राशि का शनि चौथे स्थान में, मीन राशि का राहू पांचवें स्थान में, मेष राशि का गुरू छठे स्थान में, सिंह का चंद्रमा दसवें स्थान में व कन्या राशि का केतु लाभ स्थान में गतिशील रहेंगे। यह वर्ष व्यापार, नौकरी अथवा अन्य कार्य क्षेत्र में पिछले वर्ष की अपेक्षा अच्छा है। कई तरह के नए अनुबंध मिलेंगे, जो लाभदायी होंगे। हालांकि कोई भी निर्णय परिवार के अनुभवी व बुजुर्ग से परामर्श के बाद ही लें। नौकरी पेशा लोगों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। इस राशि के जातकों को राजनैतिक क्षेत्र में भी पूर्ण महत्व प्राप्त होगा। अदालती मामलों का उचित निस्तारण होगा। मौसमजन्य बीमारियों से सावचेत रहें। इस वर्ष स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव रहने से मानसिक अशांति रहेगी। वाहन का उपयोग सावधानी से करें। परिवार में समन्वय बेहद जरूरी है। एक–दूसरे के प्रति सन्देह, दुराव और व्यवहार में कठोरता संभव है। यह सब वैचारिक मतभेद के कारण होगा। अत: समय रहते गलतफहमियों व शिकायतों का निस्तारण करें। माता–पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सन्तान पक्ष से सन्तुष्ट रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारंभ ठीक–ठीक है। मार्च के बाद सुधार होगा। आय के स्त्रोत भी बढ़ेंगे। रूका हुआ पैसा मिलेगा। मकान का जीर्णोद्धार भी करेंगे।

धनु

धनु: इस वर्ष का गोचर ग्रह चलन–कलन सामान्य रहेगा। दैनन्दिन कार्य–व्यवसाय व्यवस्थित रूप से चलेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष इस राशि के जातकों के लिए मिश्रित फलदायी है। प्रचुर मात्रा में धनगम होगा तो अनावश्यक खर्चें भी आएंगे। जिससे आय–व्यय में सन्तुलन बना रहेगा। सावधानी से कार्य करें अन्यथा ऋण लेने तक की स्थिति भी आ सकती है। विद्यार्थियों को अपने परिश्रम का अनुकूल परिणाम मिलेगा। शिक्षण–प्रशिक्षण के लिए घर से दूर रह रहे जातकों को सफलता मिलेगी। नौकरी के योग भी बनेंगे। व्यापार, सरकारी अथवा निजी क्षेत्र कार्मिकों के लिए वर्ष प्रगति का संदेश लेकर आया है। धर्म और अध्यात्म के प्रति आस्था प्रगाढ़ होगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा भी संभव है। परिवार में परस्पर सहयोग व सद्भाव रहेगा। माता–पिता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत जातकों का किसी पद पर मनोनयन संभव है। सन्तान पक्ष से नाराज़गी हो सकती है। जो लोग पुरानी बीमारी से ग्रसित हैं, उन्हे इस वर्ष कुछ राहत मिलेगी। कुल मिलाकर हौसला बुलंद और मानसिक सन्तुलन रखते हुए अपना दैनन्दिन कार्य करते रहेंगे तो वर्ष में कोई बड़ी कठिनाई आपके समक्ष नहीं होगी।

मकर

इस समय शनि की साढ़े साती चल रही है। वर्ष के आरंभ में लग्नस्त चंद्रमा जब कि शनि लग्न एवं धन भाव के स्वामी होकर कुंभ राशि में, धन भाव में शनि की मंगल के साथ युति रहेगी। तृतीय भाव में सूर्य, शुक्र व राहू मीन राशि में विचरण करेंगे। वहीं सुख भाव में बुध गुरू की युति मंगल की राशि मेष में शुभ फलदाय होंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष के प्रारंभिक माह ठीक हैं। लम्बे समय से बीमार चल रहे जातकों के स्वास्थ्य में सितम्बर से सुधार होने लगेगा, जिससे प्रसन्नता मिलेगी। परिवार में परस्पर सहयोग व सद्भाव रहेगा। सन्तान पक्ष की ओर से चिन्ताएं दूर होंगी। अविवाहितों को सम्बंधों के प्रस्ताव मिलने लगेंगे। राजनैतिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को मान–सम्मान, तो मिलेगा किन्तु किसी पद प्राप्ति की उन्हें आशा नहीं करनी चाहिए। यदि कोई पद मिला भी तो सन्तुष्ट नहीं होंगे। व्यवसाय एवं सरकारी–गैर सरकारी क्षेत्र के जातकों के लिए आगे बढ़ने के अवसर हैं। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। यदि आयात–निर्यात के क्षेत्र में काम कर रहे हैं तो अच्छे लाभ की संभावनाएं हैं। भौतिक सुख–सुविधाओं पर अधिक खर्च होगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए वर्ष अनुकूल परिणाम दायक होगा। कॅरियर चुनने में दिलचस्पी लेंगे, दृढ़ ईच्छाशक्ति से अनुभव पाने के लिए ज्यादा समय व श्रम लगाएंगे। ताकि बेहतर कार्य क्षेत्र मिल सके।

कुंभ

इस राशि का शनि लग्न में, मीन राशि का राहू धन भाव में, मेष राशि का गुरू पराक्रम भाव में, सिंह राशि का चन्द्रमा सातवें स्थान में, कन्या राशि का केतु आठवें स्थान में, वृश्चिक राशि का बुध–शुक्र दसवें स्थान में व धनु राशि का सूर्य–मंगल लाभ स्थान में गतिशील रहेगा। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष इस राशि के जातकों के लिए मिश्रित फलकारक है। आय के स्त्रोतों में वृद्धि के साथ प्रचुर मात्रा में धनागम तो होगा लेकिन उसी अनुपात में खर्चे भी बढ़ जाएंगे। प्रोपर्टी सम्बंधी लेनदेन में मुनाफा होगा। भूमि व वाहन सुख भी मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष श्रेष्ठ परिणामदायी होगा। जिस ओर रूझान है, उसे कॅरियर बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। व्यापारी वर्ग के लिए यह वर्ष मंगलकारी है। व्यापार को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को भी पदलाभ की उम्मीद करनी चाहिए। बेरोजगार युवाओं का रोजगार से जुड़ाव होने के भी प्रबल आसार हैं। परिवार में परस्पर सहयोग, सद्भाव रहने से सुख–शांति का अनुभव होगा। भाइयों में जो गलत फहमियां रही हैं, वे दूर होंगी। माता का स्वास्थ्य उत्तम लेकिन पिता के स्वास्थ्य में नरमी रहेगी। ध्यान दें। दाम्पत्य जीवन सुखदायी रहेगा। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा।

मीन

इस राशि के जातकों के लिए पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष ठीक है। हालांकि परिवार से इतर लोग परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। अतएव सावधान रहें। माता–पिता का पूरा सहयोग रहेगा। घर के बड़े–बुजुर्गों के मान–सम्मान में कोई कमी न आने दें। उन्हीं के आशीष से आपके मार्ग की कठिनाइयां स्वत: दूर होती जाएंगी। वर्ष के प्रारंभ में स्वास्थ्य ठीक रहेगा, किन्तु फरवरी से मई तक और उसके बाद सितम्बर से उतार–चढ़ाव चलता रहेगा। जिसके चलते मानसिक अशांति होगी। मनोबल बनाए रखें। आलस्यवश दूसरों के भरोसे काम न छोड़ें। व्यापार और नौकरी से सम्बद्ध जातकों के लिए वर्ष सामान्य है। जितना परिश्रम करेंगे, उस अनुपात में लाभ प्राप्ति न होने से मन खिन्न रहेगा। फालतूकार्यों में यदि आप खर्च से बचते रहे तो परेशानी वाली कोई बात नहीं है। किसी की सलाह मात्र से व्यापार को बढ़ाने, उसमें निवेश करने की उतावली न करें। सोच–समझकर निर्णय करें। विद्यार्थियों को उनके परिश्रम के अनुकूल परिणाम अवश्य मिलेगा। सीए व एलएलबी करने वाले जातकों के लिए वर्ष श्रेष्ठ परिणामदायक है। राजनैतिक क्षेत्र से सम्बद्ध लोगों को अपने गन्तव्य तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। सोच–समझकर ही कदम उठाएं अन्यथा सफलता आपसे दूर भी जा सकती है। अर्थात गलत निर्णय से काम बिगड़ सकता है। इस वर्ष यात्रा के भी योग हैं।

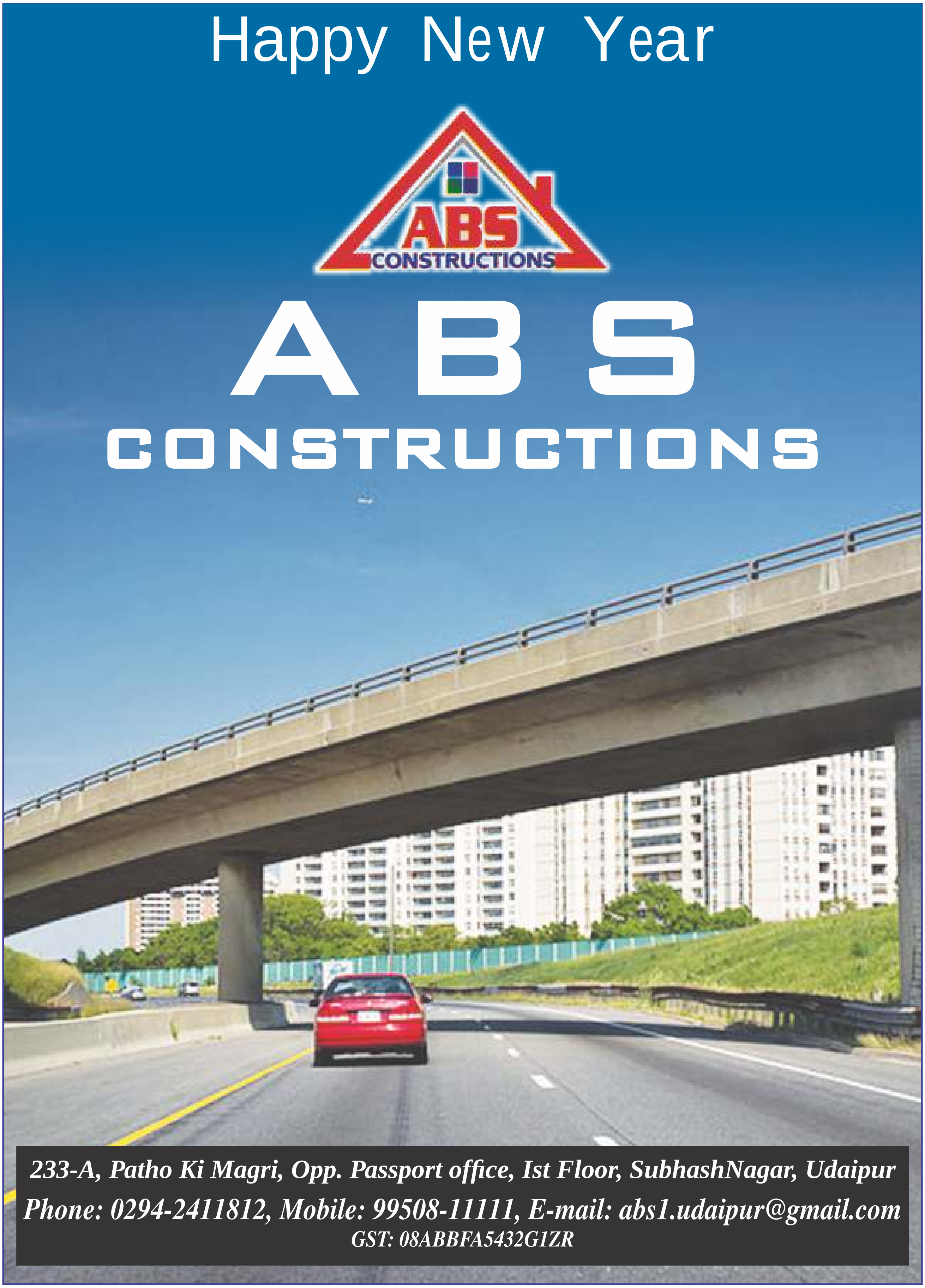
Happy New Year
ABS CONSTRUCTIONS
A B S
CONSTRUCTIONS
233-A, Patho Ki Magri, Opp. Passport office, Ist Floor, SubhashNagar, Udaipur
Phone: 0294-2411812, Mobile: 99508-11111, E-mail: abs1.udaipur@gmail.com
GST: 08ABBFA5432G1ZR

प्रत्यूष समाचार

भरत जोशी 5वीं बार अध्यक्ष

उदयपुर। बार एसोसिएशन की वर्ष 2024 की कार्यकारिणी के लिए चुनाव 8 दिसम्बर को हुए। जिसमें भरत जोशी एक बार फिर से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने पिछले चुनाव में अध्यक्ष बने राकेश मोगरा को 219 वोट से हराया। चुनाव अधिकारी सुरेशचन्द्र द्विवेदी और राजेशकुमार उपाध्याय ने प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए। अध्यक्ष पद पर भरतकुमार जोशी को 1085 वोट मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी राकेश मोगरा को 868 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर बंशीलाल गवारिया ने अतुल जैन को 245 वोट से से हराया। महासचिव पद पर राजेश शर्मा ने लोकेश गुर्जर को 564 वोट से शिकस्त दी। वित्त सचिव पद पर पंकज तम्बोली ने चुन्नीलाल डांगी को 539 वोट से हराया। पुस्तकालय सचिव पद पर गोपाल जोशी ने मांगीलाल खटीक को 965 वोट से मात दी। जोशी पांचवीं बार अध्यक्ष बने हैं।

जीएमसीएचः चेस्ट सम्मेलन नैपकॉन डॉ. अतुल लुहाड़िया बने फैकल्टी

उदयपुर। हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय चेस्ट सम्मेलन नैपकॉन में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के टीबी एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाड़िया को उदयपुर से फैकल्टी के रूप में बुलाया गया। उन्होंने जटिल अस्थमा, अनकंट्रोल्ड अस्थमा और एलर्जिक ब्रोंकोपल्मोनरी एस्पर्जिलोसिस (एबीपीए) नामक फेफड़ों की बीमारियों पर पैनल डिस्कशन किया और अपना अनुभव साझा किया। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग तीन हजार चेस्ट विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मार्बल एसोसिएशन : गंगावत अध्यक्ष एवं शर्मा सचिव

उदयपुर। उदयपुर मार्बल एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा के साथ वर्ष 2023-25 के द्विवार्षिक चुनाव हुए। चुनाव अधिकारी बी.आर. भाटी ने बताया कि पंकज कुमार गंगावत दूसरी बार अध्यक्ष बने। उपाध्यक्ष राजेन्द्र मोर, सचिव नीरज शर्मा, सहसचिव नरेन्द्रसिंह राठौड़ एवं कोषाध्यक्ष कुलदीप जैन निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र मांडावत, श्याम नागौरी, तेजेन्द्रसिंह रोबीन, भूपेन्द्रसिंह राव, संरक्षक महिपालसिंह रूपपुरा, सलाहकार मंडल के सदस्य बाबू चोरडिया, नीतुल चंडालिया, गजेन्द्र सामर, एसोसिएशन के सदस्य एवं सभी मार्बल व्यापारी उपस्थित थे।

पीताम्बरा आश्रम में रूद्रार्चन एवं यज्ञ

बांसवाड़ा। पीताम्बरा आश्रम में गत दिनों गायत्री एवं हनुमान यज्ञ के साथ गायत्री मण्डल के तत्वावधान में आयोजित रूद्रार्चन एवं ललिताम्बिका उपासना अनुष्ठान तथा यज्ञ संपन्न हुए। मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रह्मर्षि पं. दिव्यभारत पंड्या के आचार्यत्व में विनायक, भैरव, गायत्री, हनुमान, श्रीविद्या, पारद शिवलिंग अभिषेक, रूद्रार्चन, विभिन्न यंत्रों का पूजन-अर्चन आदि अनुष्ठान किए गए तथा इनके मंत्रों से यज्ञ में आहुतियां दी गई। इन अनुष्ठानों तथा यज्ञविधान में मुख्य साधकों के रूप में मण्डल के संरक्षक पं. नरहरिकांत और भट्ट, डॉ. दिनेश भट्ट, पं. जयप्रकाश पंड्या, पं. दुर्गादत्त भट्ट के साथ पं. मनोहर ज ोशी, मण्डल के उपाध्यक्ष अनिमेष पुरोहित, सचिव विनोद शुक्ला, सह सचिव सुभाष भट्ट, पीताम्बरा परिषद के सह संयोजक पं. मधुसूदन व्यास, कार्यक्रम समन्वयक पं. मनोज नरहरि भट्ट, पं. जय रणा, राजेश चौबीसा, कार्यकारिणी सदस्य पं. त्र्यम्बकेश्वर ठाकेर, श्री अशोक पाठक (मुम्बई) आदि साधकों ने हिस्सा लिया। अंत में त्रिपुर सुंदरी की आरती के साथ श्रीमन्नारायण संकीर्तन किया गया।

भटनागर करेंगे नागालैंड जूलॉजिकल पार्क का मूल्यांकन

उदयपुर। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने उदयपुर के पूर्व मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर को नागालैंड जूलोजिकल पार्क के मूल्यांकन की जिम्मेदारी सौंपी है। प्राधिकरण के सचिव संजय शुक्ला के अनुसार भटनागर को जूलोजिकल को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से मूल्यांकनकर्ता नियुक्त किया गया है।

क्लैट टॉपर्स जय को डीपीएस की बधाई

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल उदयपुर के छात्र जय कुमार बोहरा ने क्लैट 2024 में ऑल इंडिया में पहली रैंक हासिल की है। जय की इस गौरवमयी सफलता पर विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, प्राचार्य संजय नरवरिया, उपप्राचार्य राजेश धाबाई ने होनहार छात्र व उसके माता-पिता को हार्दिक बधाई दी।

फ्लाइट में डॉक्टर्स ने बचाई जान

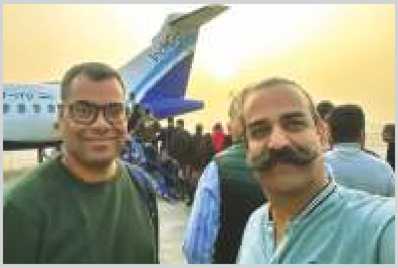

उदयपुर। डॉक्टर्स को धरती का भगवान यूं ही नहीं कहा जाता। उदयपुर के दो स्त्री रोग विशेषज्ञों डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल ने हवाई यात्रा के दौरान एक महिला की जान बचाकर ये साबित भी कर दिखाया। उदयपुर से जयपुर जा रही फ्लाइट में एक महिला की तबीयत अचानक बिगड़ी और उनकी धड़कन बंद हो गई। ऐसे में दोनों डॉक्टर्स ने महिला की जांच कर उसे तुरंत सीपीआर दिया। इससे महिला की धड़कन फिर से शुरू हो गई। डॉ. प्रकाश जैन ने बताया कि उदयपुर से उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद कोलकाता की 50 वर्षीय महिला यात्री बेसुध होकर अपनी सीट से नीचे गिर गई। महिला के पति घबरा गए। स्थिति देखकर लग रहा था कि महिला की मृत्यु हो गई, क्योंकि धड़कन चल नहीं रही थी।

आधे घंटे दिया सीपीआर: डॉ. प्रदीप बंदवाल ने बताया कि ये प्राथमिक तौर पर हृदय विकार के कारण धड़कन रुकने का मामला लग रहा था। इस स्थिति में सीपीआर प्रक्रिया से मरीज की धड़कन लाने का प्रयास किया जा सकता है। दोनों ने महिला को सीपीआर देना शुरू किया और लगातार दस मिनट की कोशिश के बाद मरीज फिर सांस लेने लगी। लेकिन कुछ ही देर में महिला की धड़कन फिर बंद हो गई। ऐसे में दोनों डॉक्टर्स ने हार नहीं मानी और करीब 30 मिनट तक सीपीआर देते रहे। जिससे बाद में महिला की धड़कन स्थायी रूप से आ गई। वायुयान प्रबंधन ने जयपुर में एम्बुलेंस की व्यवस्था करवा दी थी, जिससे मरीज को अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉ. अरविंदर इंस्पायरिंग बिजनेस लीडर अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के सीईओ तथा डबल वर्ल्ड होल्डर डॉ. अरविंदर सिंह को दिल्ली में इंस्पायरिंग बिजनेस लीडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड मशहूर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस तथा वरिष्ठ लीडर मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. सिंह को यह अवार्ड उनकी लीडरशीप बिजनेस, स्किल्स तथा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मिला। अभी हाल ही में डॉ. सिंह को ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी कॉस्मेटिक डमेटोलॉजी तथा बिजनेस आइकन के रूप में सम्मानित किया गया था।

सेंट्रल एकेडमी को राष्ट्रीय वालीबॉल में कांस्य पदक

उदयपुर। हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय स्कूली वालीबॉल स्पर्धा में सेंट्रल एकेडमी स्कूल सरदारपुरा की छात्रा टीम ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। चेयरमैन डॉ. संगम मिश्रा एवं प्राचार्य डॉ. अंजलि श्रीवास्तव ने विजेता छात्राओं और विद्यालय के कोच सुरेश चन्द्र भट्ट को बधाई देते हुए कहा कि उदयपुर के इतिहास में पहला अवसर है जब सीबीएसई राष्ट्रीय स्तर पर वालीबॉल में उदयपुर की कोई छात्रा टीम कांस्य पदक जीत पाई हैं।

स्केटिंग में कृष्णा ने जीता गोल्ड

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के बीएन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा कृष्णा कंवर गहलोत ने गुरुग्राम में आयोजित रियल गोल्ड स्केटिंग चैम्पियनशीप में गोल्ड मेडल व गोल्ड फ्रेम प्राप्त की।

साहू बने तकनीकी अधिकारी

उदयपुर। ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 12 से 15 दिसम्बर तक दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के वेटलिफ्टिंग ऑडिटोरियम में प्रथम खेला इंडिया पैरा पावरलिफ्टिंग नेशनल गेम्स 2023 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए उदयपुर के अंतरराष्ट्रीय निर्णायक विनोद साहू को तकनीकी अधिकारी बनाया गया है।

भामाशाहों का सम्मान

उदयपुर। फूलमाली संस्थान के तत्वावधान में असावरा सेवा ट्रस्ट का भामाशाह सम्मान समारोह मंगल कलश गार्डन में हुआ। मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा फूले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सांखला थे। चित्तौड़ जिले के आवरी माता मंदिर क्षेत्र में उदयपुर माली समाज की ओर से धर्मशाला निर्माण के लिए सहयोग करने वाले तीन सौ भामाशाहों का सम्मान किया गया। साथ ही फूलमाली समाज को चित्रकूट नगर में 27 हजार वर्गफीट का भूखण्ड रिजर्व प्राइज से भी कम में आवंटित करने पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

वस्त्र व्यापार संघ ने स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर। वस्त्र व्यापार संघ का 75वां स्थापना वर्ष एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह तारक गुरु जैन ग्रंथालय में हुआ। मुख्य अतिथि चेम्बर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिविजन के अध्यक्ष पारस सिंघवी एवं विशिष्ट अतिथि कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत बड़ाला, दिल्ली राजस्थान ट्रांसपोर्ट के मैनेजर रतनकुमार बागड़ी थे। समारोह में अध्यक्ष मदनलाल सिंघटवाडिया ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। सचिव वेदप्रकाश अरोड़ा ने संघ का प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश पोरवाल ने आय-व्यय प्रस्तुत किया। कार्यकारी अध्यक्ष बड़ाला, उपाध्यक्ष सतीश पोरवाल, सहमंत्री अरुण लुणदिया ने भी विचार व्यक्त किए।

सनाढ्य सेवा समिति शपथ समारोह

उदयपुर। समग्र सनाढ्य सेवा समिति की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सेक्टर-4 ब्राह्मण समाज सेवा समिति सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि एडवोकेट गोपाल दास सनाढ्य थे। अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष जनार्दन सनाढ्य ने की। विशिष्ट अतिथि रमेशचन्द्र शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य, आर.पी. सनाढ्य एवं पंकज कुमार सनाढ्य थे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि समाज में प्रेम-सौहार्द बढ़ाने के लिए नवीन कार्यकारिणी सदैव तत्पर रहेगी। इस अवसर पर प्रो. सतीश भारद्वाज, कृष्ण स्वरूप पाराशर, डॉ. अनिल शर्मा, भगवती प्रसाद शर्मा, कीर्ति शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन योगाचार्य नरेन्द्र सनाढ्य ने किया।

रेडियोलॉजी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बने डॉ. गुप्ता

उदयपुर। चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. आनंद गुप्ता को जयपुर में हुई कॉन्फ्रेंस में राजस्थान रेडियोलॉजी एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया है। आईआरआईए की वार्षिक कॉन्फ्रेंस में डॉ. गुप्ता को साल 2023-25 के लिए प्रभार सौंपा गया। इससे पहले डॉ. गुप्ता इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के उदयपुर जिलाध्यक्ष के साथ मेडिकल जगत की कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को भी निभा रहे हैं। नई जिम्मेदारी संभालने के बाद डॉ. आनंद गुप्ता ने आईआरआईए के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि वे आगामी एक वर्ष के दौरान प्रदेश के सभी रेडियोलॉजिस्ट के लिए पूर्ण उत्साह और ऊर्जा के साथ काम करेंगे।

सिद्दीकी का मुस्लिम महासंघ ने किया स्वागत

उदयपुर। शम्स सिद्दीकी का असिस्टेंट कमांडेंट में चयन होने पर मुस्लिम महासंघ ने स्वागत कर सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद बक्ष, उपाध्यक्ष हाजी शफी मेके, महासचिव के.आर. सिद्दीकी, सचिव इरफान मुल्तानी, प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ खान, उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली, संभाग अध्यक्ष तोकीर रजा, संरक्षक माजिद खान, पूर्व पार्षद नासिर खान, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल मजीद, जिला सचिव नजर मोहम्मद, अय्यूब खान आजम आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा की जीत पर बधाई

उदयपुर। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में तीनों प्रदेश सहसंयोजक नाथूसिंह राठौड़, एडवोकेट सौरभ सारस्वत, एडवोकेट भुवनेश शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी से शिष्टाचार भेंटकर राजस्थान में भाजपा की विजय पर बधाई दी। जोशी ने विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ताओं की चुनाव में प्रभावी भूमिका की अत्यंत प्रशंसा की तथा प्रकोष्ठ जुड़े अधिवक्ता समुदाय का आभार व्यक्त किया।

खोडनिया ने गोसेवा के लिए दिए 11 लाख

उदयपुर। मंगलेश्वर महादेव मंदिर सेक्टर चार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित भजन संध्या के दौरान ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी सदस्य दिनेश खोड़निया द्वारा 11 लाख रुपए की घोषणा की थी। 11 दिसम्बर को खोड़निया के पुत्र आदिश खोडनिया ने स्थानीय गोसेवकों को 11,11,111 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भेंट किया।

रेडिएंट एकेडमी: जेईई की तैयारी के लिए प्रो बैच के पोस्टर का विमोचन

उदयपुर। रेडिएंट एकेडमी ने जेईई की तैयारी के लिए प्रो बैच लॉन्च किया है, जो 4 जनवरी से शुरु होगा। प्रो. बैच कक्षा 10वीं से 11वीं में आने वाले विद्यार्थियों के लिए शुरु किया जा रहा है। इसके पोस्टर का विमोचन रेडिएंट एकेडमी के निदेशक व एकेडमिक हैड कमल पटसारिया, जम्बू जैन, नितिन सोहाने और शुभम गालव ने किया। समारोह में अतिथि एमडीएस स्कूल के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सोमानी ने छात्रों को प्रो. बैच का महत्व समझाया।

लुहाड़िया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. एस.के. लुहाड़िया को टीबी एवं रेस्पीरेट्री मेडिसिन क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय चेस्ट सम्मेलन नैपकॉन के उद्घाटन समारोह में नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से प्रोफेसर एमएम सिंह मेमोरियल लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, विशिष्ट अतिथि नई दिल्ली एम्स के पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, ख्यातनाम चेस्ट फिजिशियन डॉ. फारूख उदवाडिया थे। गीतांजलि समूह के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, गीतांजलि हॉस्पीटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि कपूर, डीन डॉ. संगीता गुप्ता आदि ने उन्हें बधाई दी।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री चन्द्रशेखर व्यास सुपुत्र स्व. श्री विश्वनाथ जी व्यास का 19 नवम्बर 23 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती हेमकुमारी, पुत्र दीपक, शरद, पुत्री हिना तथा भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

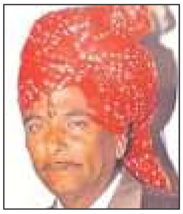

उदयपुर। श्री सुरेश चंद्र जी तिवारी का 3 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती कला तिवारी, पुत्र अवनीश व अतुल, पुत्री मनीषा व पौत्र-पौत्रियों व भतीजों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। संयुक्त आयकर आयुक्त श्री विम्पल जी तिवारी का 14 नवम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माताश्री पुष्पादेवी, धर्मपत्नी पूनम देवी, पुत्र गौरांग, पुत्रियां कोंपल व नेहल तथा भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

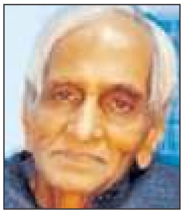

उदयपुर। श्री रमेश चन्द्र जी तिवारी का 16 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती फूलमती, पुत्र शैलेन्द्र, पुत्रियां संगीता व डॉ. ममता, पौत्र-पौत्रियों तथा भतीजा-भतीजियों का सम्पन परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती शशि जी सिंघल (धर्मपत्नी ओमप्रकाश जी सिंघल) का 13 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित ह्रदय पति, पुत्र अतुल, पुत्रियां डॉ. प्रेरणा, भावना व प्रियंका सहित देवर-जेठ-जेठानियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती नंद कुंवर जी मूंदड़ा का 5 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र भंवरलाल, मनोहरलाल, पुष्करलाल तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती दुर्गा जी शर्मा (पंचोली) का 6 दिसम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र संजय गौतम (पत्रकार) पुत्री अंजु शर्मा व पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुधा जी भण्डारी (धर्मपत्नी स्व. श्री जसवंत सिंह जी भण्डारी) का 7 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र विनय व तुषार भण्डारी, पौत्र, भाई-भतीजे सहित समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती विभूति जी जैन (बागरेचा) का 7 दिसम्बर को असामयिक निधन हो गया। वे 48 वर्ष की थीं। श्रीमती विभूति जी अपने पीछे शोकसन्तप्त पति श्री हितेन्द्र जैन (मावली वाले), दादी सास श्रीमती तीजी बाई, सास-ससुर श्रीमती जयश्री-डॉ. चांदमल जी पुत्र हार्दिक व नक्षत्र, पुत्रियां आस्था व तनुश्री सहित भाई-भतीजों, देवर-देवरानियों का सम्पन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती पानी देवी जी तातेड़ का 9 दिसम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति श्री छगन लाल जी जैन, पुत्र सुरेश, पुत्रियां श्रीमती विमला लोढ़ा, मीना बाबेल व रेखा पगारिया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों समेत भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमान गुलाब चंद्र जी खेतान लोसलवाले का 22 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र दिलीप व नटवर खेतान, पुत्रियां श्रीमती सुशीला देवी, सुलोचना देवी व शकुन्तला देवी सहित पौत्र-पड़पौत्र एवं भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्वतंत्रता सेनानी स्व. कनक मधुकर जी की सुपुत्री श्रीमती कमला अग्रवाल (धर्मपत्नी श्री बालकृष्ण जी गोविल) का 17 नवम्बर 2023 को निधन हो गया। वे 86 वर्ष की थी। अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र आशीष, पुत्रियां अलका गुप्ता व डॉ. अंजना मित्तल, पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों तथा भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती कृष्णादेवी जी (मोरगजा) का 5 दिसम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित ह्रदय पति श्री रोशनलाल जी अरोड़ा, पुत्र विष्णु व नितिन अरोड़ा, पुत्रियां श्रीमती सुनीता, अनिता, रेखा, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों तथा देवर-जेठ का भरापूरा परिवार छोड़ गईं हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
भंवरलाल नागदा
(पूर्व सरपंच, खरका)
Mob. 9460830849
रमेश नागदा
(बीमा अभिकर्ता)
Mob. 9414158306
कैलाश नागदा
9799652244
ललित नागदा
9414685029
देवेन्द्र नागदा
9602578599
रवि नागदा
9929966942
रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर
महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर, फोन : 0294-2412464
सम्बन्धित फर्म : रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया
दीपक नागदा
मो.: 9602578599
जय इलेक्ट्रीकल्स
लाइट फिटींग एवं इलेक्ट्रीक
सामान के रिटेल
एवं होलसेल विक्रेता
स्वामी नगर, 100 फीट रोड, पानेरियों की मादड़ी, उदयपुर

NESTORIA GROUP
WHERE DREAMS COME HOME
DHOLERA SIR
DHOLERA SIR
AIRPORT
250 MTR EXPRESSWAY
METRO
DEDICATED FREIGHT CORRIDOR
SEA PORT CONNECTIVITY
FIVE CONNECTIVITY
DHOLERA SIR
INDIA'S FIRST GREENFIELD SMART CITY
A "Platinum" Rated Green City
A NEW ERA
OF GLOBALLY CONNECTED BUSINESSES
KTS PRIME MUTIVISION Pvt. Ltd.
Contat No.: 9116116401, 9829839008, 9001189864
Add.: 101-104, Vinayak Plaza, 100FT Road, Opp. Royal Raj Villas
Shobhagpura Chouraha, Udaipur Rajsthan
धोलेरा स्मार्ट सिटी में निवेश क्यों करें ?
भारत की पहली ग्रीन फील्ड स्मार्ट सिटी धोलेरा
वर्ल्ड का सबसे बड़ा सोलर पार्क 5000 मेगावाट
एशिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट विथ कार्गो
भारत की सबसे चौड़ी रोड 250 मीटर एक्सप्रेस हाईवे
70 लाख पौधे, 70 मीटर रोड, 55 मीटर रोड
पूरा शहर इंटरनेट सेंसर से कनेक्टिविटी स्काडा सेंसर
सिंगल विंडो क्लियरेंस
कम समय में ज्यादा ग्रोथ की भरपूर संभावना
पूरे शहर में एक समान PH पानी की व्यवस्था
मोनो रेल, मेट्रो कनेक्टिविटी, अहमदाबाद धोलेरा एक्सप्रेस-वे
920 SQR. किलोमीटर की स्मार्ट सिटी
SEA पोर्ट कनेक्टिविटी
वर्ल्ड का सबसे बड़ा साईकल ट्रेक
सिंगापुर से बड़ी मुम्बई से बड़ी धोलेरा स्मार्ट सिटी
10 लाख डायरेक्टर जॉब,
घर बैठे ऑनलाईन रजिस्ट्री
धोलेरा स्मार्ट सिटी की
एक बार जरूर विजिट करें

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2023-24

विज्ञान संकाय (FACULTY OF SCIENCE)

प्रवेश प्रारम्भ

माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर

टाउन हॉल रोड, उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित 'A' ग्रेड विश्वविद्यालय)

सभी पाठ्यक्रम UGC द्वारा मान्यता प्राप्त

B. Sc. / B. Sc. Hons.

B.Sc. Hons. with Research

रसायन शास्त्र (Chemistry) • वनस्पति शास्त्र (Botany) • प्राणि शास्त्र (Zoology) • गणित (Mathematics) • भौतिक शास्त्र (Physics) • सांख्यिकी (Statistics) • कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science) • जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology) • भूगर्भ शास्त्र (Geology) • पर्यावरण विज्ञान (Environmental Science)

M.Sc.

- रसायन शास्त्र (Chemistry) Specialization in : Inorganic, Organic, Physical, Industrial
- गणित (Mathematics)
- वनस्पति शास्त्र (Botany)
- प्राणि शास्त्र (Zoology)
- जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology)
- भौतिक शास्त्र (Physics)
- पर्यावरण विज्ञान (Environmental Science)
- सांख्यिकी (Statistics)
- जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics)
- कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)

Ph.D.

• आईआईआरएफ रैंकिंग 2023 में राजस्थान प्रदेश में प्रथम स्थान

मुख्य विशेषताएं : • उदयपुर शहर के मध्य स्थित हरा-भरा परिसर • UGC का CBCS पैटर्न • आकर्षक एवं सुसज्जित कक्षा-कक्ष और प्रयोगशालाएं • योग्य, अनुभवी एवं प्रबुद्ध शिक्षक • औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण • ई-पुस्तकालय सुविधा सहित समृद्ध पुस्तकालय • Wi-Fi परिसर • व्यक्तिगत कौशल एवं संप्रेषण दक्षता हेतु सेमिनार • NCC, NSS, एवं Rovers & Rangers उपलब्ध • सह-शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां • SC/ST/OBC/BPL वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सरकार के नियमानुसार देय • शत-प्रतिशत Placement

सम्पर्क करें :- 7852803736, 9828072488

DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE & IT

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed to be University)

Airport Road, Pratap Nagar, Udaipur (Raj.) - 313001

All UGC Approved Programme

100% Placement Assistance

ADMISSIONS OPEN : 2023-24

- **BCA** – 3 Years – Eligibility : 10+2 in any Stream
- **BCA (Honours)** – 4 Years – Eligibility : 10+2 in any Stream
- **MCA** – (AICTE Approved) 2 Years – Eligibility : Graduate in any Stream
- **M.Sc. (CS)** – 2 Years – Eligibility : Graduate in any Stream
- **PGDCA** – 1 Year – Eligibility : Graduate in any Stream

Successfully running 26[th] Batch with more than 6500 candidates passed out.

9928025433 | 9461260408 | 9413319864 | 9887574613

E-mail - dcsit@jrnrvu.edu.in | www.jrnrvu.edu.in | Director : 9414737125

FACULTY OF MANAGEMENT STUDIES

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed to be University)

Airport Road, Pratap Nagar, Udaipur-313001 (Raj.)

ADMISSION OPEN : 2023-24

IIRF Rank First in Rajasthan

MBA – MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION

AN AICTE APPROVED PROGRAMME, SINCE - 1996

MHRM – MASTER OF HUMAN RESOURCE MANAGEMENT

BBA – BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION

Applications are invited for admission in MBA, MHRM and BBA regular programmes.

SEATS : MBA-60 Seats & MHRM 30 Seats. Reservation as per norms.

Contact : - 9414758184, 9414245583, 9001556306, 9782049628

Rajasthan Vidyapeeth Technology College

[Approved by All India Council for Technical Education (AICTE), New Delhi]

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed to be University)

Pratap Nagar, Airport Road, Udaipur - 313001 (Rajasthan) Tel. : 9950304204, 9829009878

ADMISSION OPEN (2023 – 24)

100% Placement Assistance

DIPLOMA IN ENGINEERING COURSES

Civil Engineering (सिविल इंजीनियरिंग)	60 seats
Mechanical Engineering (मिकेनिकल इंजीनियरिंग)	60 seats
Electrical Engineering (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)	60 seats
Electronics & Communication Engineering (इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग)	60 seats
Computer Science & Engineering (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)	60 seats

Duration : 3 Years, Eligibility : 10th Pass from any recognized Board or University.
Lateral Entry : 2nd Year - 10+2 PCM / 2 Years ITI

SKILL DEVELOPMENT ACTIVITIES

• Campus Recruitment Training • Soft Skill Development Programs • Industry Internship
• Industry Skill Development Program

REGISTRAR

स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसेस, डबोक

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

एयरपोर्ट रोड, प्रतापनगर, उदयपुर – 313001 (राजस्थान)

प्रवेश अधिसूचना 2023–24

B.Sc. (Hons.) एग्रीकल्चर सत्र 2023-24 में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

Bachelor of Science (Hons.) Agriculture 4 Years Programme

Contact : 8005858896, 9828151651, 7737623462

E-mail - soas@jrnrvu.edu.in | website : www.jrnrvu.edu.in/soas

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

नए साल की नई उम्मीद

SRG
SRG HOUSING FINANCE LTD
Always with you
हम दिल में घर बनाते हैं™

होम लोन
लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी
नवीनीकरण लोन
कंस्ट्रक्शन लोन

THE SRG EDGE

| सरल होम लोन
| त्वरित स्वीकृति एवं वितरण
| सरल दस्तावेज़ीकरण
| घर बैठे सेवाएँ एवं मार्गदर्शन

60+ BRANCHES | **14000+** DREAMS FULFILLED

SEAMLESS SERVICES WITHIN YOUR REACH

1800 121 2399

* T&C Apply

HEAD OFFICE:
Plot No. 12, Opposite Paras
JK Hospital, Shobhagpura,
Udaipur, Rajasthan - 313001

CORPORATE OFFICE:
1046, 10th Floor, Hubtown Solaris, N. S. Phadke
Marg, Vijay Nagar, Andheri (E), Mumbai - 400 069
CIN No : L65922RJ1999PLC015440

srghousing.com
+91 800 3747 666
info@srghousing.com

RAJASTHAN | GUJARAT | MADHYA PRADESH | DELHI | MUMBAI

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 21 अंक 9, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001